R.N.I. : UPHIN/2012/52437
Website : www.mantrabharat.com
संस्करण : प्रयागराज
वर्ष : 15
अंक : 118
पृष्ठ : 8
मूल्य : 1.00
सोमवार, 5 जनवरी, 2026

जुनून है सच लिखने का

मंत्र भारत

हिन्दी दैनिक

डाक पंजीयन संख्या : एल-2/9/रजि0/ए0डी0/119/15-17

प्रयागराज, लखनऊ, ग्वालियर एवं मुम्बई से एक साथ प्रकाशित एवं प्रतापगढ़, कौशाम्बी, भदोही, मिर्जापुर, वाराणसी, आजमगढ़ व गोरखपुर से प्रसारित

3 कमला द्विवेदी फिलिंग स्टेशन टीम ने मारी बाजी
5 नगर पंचायत अध्यक्ष सुरियावा द्वारा किया ...
7 कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने स्टेबिन ...

1, 700 एकड़ से अधिक आरक्षित वन भूमि से अतिक्रमण हटाया गया : मुख्यमंत्री हिमंत

गुवाहाटी **(एजेंसी)**। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम के होजई जिले में 1, 700 एकड़ से अधिक आरक्षित वन भूमि को अतिक्रमणसेमुक्त करा लिया गया है। मुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि किसी भी तरह का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। शर्मा ने एक्स पर एक पोस्ट में 1, 732.5 एकड़ क्षेत्र में चलाए गए बेदखली अभियान का जिक्र करते हुए कहा, जमुना-मउडांगा आरक्षित वन (आरएफ) में अवैध अतिक्रमण का खेल खत्म (गेम ओवर)। शांतिपूर्ण, कानूनी और निर्णायक कार्रवाई के माध्यम से 5, 250 बीघा भूमि को पुनः प्राप्त करने के साथ मिशन पूरा हुआ। शर्मा ने कहा, किसी चीट कोड की आवश्यकता नहीं है। इसे चेतावनी समझें: अवैध अतिक्रमण को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वर्ष 2021 में शर्मा के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता में आने के बाद से, कथित अतिक्रमणकारियों से जमीन खाली कराने के लिए कई बेदखली अभियान चलाए गए हैं जिससे मुख्य रूप से बांग्ला भाषी मुस्लिम आबादी प्रभावित हुई है।

शर्मा ने नए साल के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था कि अब तक 1, 45, 000 बीघा (47, 850 एकड़) भूमि को मुक्त कराने के लिए बेदखली अभियान चलाए गए हैं। पिछले साल तीन नवंबर को मुख्यमंत्री ने दावा किया था कि अतिक्रमण हटाने के लिए बेदखली अभियान जारी रहेगा और उनकी सरकार के तहत अवैध मियां शांति से नहीं रह सकते।

मिया मूल रूप से असम में बांग्ला भाषी मुसलमानों के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला एक अपमानजनक शब्द है, और गैर-बांग्ला भाषी लोग आम तौर पर उन्हें बांग्लादेशी अप्रवासी मानते हैं।

होटल की बिल्डिंग से कूदकर शख्स ने की आत्महत्या, इलाके में मचा हड़कंप

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के पॉश इलाके में स्थित मशहूर ली मेरिडियन होटल में सोमवार को एक दुखद घटना सामने आई। जानकारी के अनुसार, होटल की ऊंची बिल्डिंग से एक व्यक्ति ने कूदकर अपनी जान दे दी। घटना की खबर मिलते ही होटल में और आसपास के इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलने पर दिल्ली पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और मृतक के शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी। फिलहाल पुलिस मृतक की पहचान नहीं कर पाई है। जांच अधिकारी यह पता लगाने में जुटे हैं कि व्यक्ति होटल का मेहमान था या किसी अन्य कारण से वहां मौजूद था।

होटल स्टाफ और वहां मौजूद अन्य लोग इस घटना से स्तब्ध हैं। घटना के समय होटल परिसर में सामान्य गतिविधियां चल रही थीं, लेकिन शख्स के कूदने से कर्मचारियों और मेहमानों में दहशत फैल गई। पुलिस ने होटल के सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में लिया है और मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है। प्रारंभिक जांच में किसी तरह की आपराधिक गतिविधि की सूचना नहीं मिली है, लेकिन पूरे मामले की गहनता से छानबीन की जा रही है। इस घटना ने राजधानी के पॉश इलाके में सुरक्षा और मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बागेश्वर धाम में देश का सबसे अनूठा आयोजन, 11 हजार भक्तों ने हाथ में अक्षत लेकर सुनी सत्यनारायण कथा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। छतरपुर में बागेश्वर धाम पर सत्यनारायण भगवान की कथा का वाचन किया गया। सत्यनारायण भगवान की ये कथा स्वयं बागेश्वर महाराज के द्वारा उनसे दीक्षा मंत्र लिए 500 दीक्षित परिवारों सहित धाम पर आए हुए लगभग 11000 श्रद्धालुओं ने हाथों में अक्षत चावल लेकर सुनी।

यह पहला आयोजन होगा जिसमें एक साथ 11000 से अधिक श्रद्धालुओं ने अक्षत चावल लिए और भगवान सत्यनारायण की कथा का प्रस्थान किसी एक स्थान पर बैठकर किया हो। इस कथा में बाबा विश्वनाथ के प्रधान पुजारी श्रीकांत मिश्र परिवार सहित पधारे। उनके द्वारा कथा के प्रारंभ में मंत्रोच्चार और विराम में हवन के मंत्रोच्चार किए गए।

यह संभवतः भारतवर्ष की पहली भगवान सत्यनारायण की कथा होगी, जिसमें एक साथ कई हज़ार श्रद्धालुओं ने 50, 000 वर्ग फीट में बने तीन शेड में बैठकर हाथों में अक्षत चावल लेकर कथा का रसपान किया हो। सत्यनारायण की कथाएँ सनातन परंपरा में सनातनियों द्वारा अपने घर, प्रतिष्ठा एवं अन्य शुभ कार्य सफल होने पर करवाई जाती हैं, जिसमें सामान्यतः परिवार के सदस्य और परिचित लोग उपस्थित होते हैं।

संभवतः यह पहली कथा होगी जिसमें हज़ारों की संख्या में अक्षत चावल लेकर भगवान सत्यनारायण की कथा सुनी गई हो। इस दौरान महाराज श्री ने सत्य के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला और श्रद्धालुओं से सत्य बोलने व सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का आह्वान किया। उन्होंने महाभारत का उदाहरण देते हुए कहा कि, जीत भीड़ से नहीं, बल्कि भगवान से होती है और पूरी धरती सत्य पर टिकी हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा ऐलान, भारत ओलंपिक 2036 की मेजबानी करने को तैयार

वाराणसी **(एजेंसी)**। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि भारत पूरी मजबूती के साथ 2036 ओलंपिक की मेजबानी की तैयारी कर रहा है। रविवार को वाराणसी में शुरू हुई 72वीं सीनियर राष्ट्रीय वॉलीबॉल चैंपियनशिप के उद्घाटन समारोह से ऑनलाइन जुड़ते हुए प्रधानमंत्री ने खेलों के क्षेत्र में बीते साढ़े 11 वर्षों में हुए बड़े बदलावों को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने 20 से अधिक बड़े अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों की मेजबानी की है। इनमें फीफा अंडर-17 विश्व कप, हॉकी विश्व कप जैसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंट शामिल हैं। उन्होंने बताया कि 2030 के राष्ट्रमंडल खेल भी भारत में आयोजित किए जाएंगे, जो देश की खेल क्षमता और बुनियादी ढांचे की मजबूती को दर्शाता है।

प्रधानमंत्री ने कहा, '2030 के राष्ट्रमंडल खेल भारत में होने जा रहे हैं और भारत पूरी मजबूती से 2036 के ओलंपिक की मेजबानी की भी तैयारी कर रहा है। इसके पीछे हमारा प्रयास है कि देश के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ियों को खेलने के अधिक से अधिक अवसर मिलें।' उन्होंने जोर दिया कि बड़े आयोजनों से खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर का अनुभव मिलता है, जो उनके प्रदर्शन को नई ऊंचाइयों तक ले जाता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' पर सवार है। देश का हर क्षेत्र और विकास की हर परिभाषा इससे जुड़ रही है और खेल भी इसका अहम हिस्सा हैं। उन्होंने बताया कि खेलों के क्षेत्र में सरकार ने व्यापक सुधार किए हैं। प्रधानमंत्री ने राष्ट्रीय खेल प्रशासन अधिनियम और 'खेलो भारत नीति 2025' का जिक्र करते हुए कहा कि इन सुधारों से सही प्रतिभाओं को आगे आने का मौका मिलेगा। इससे खेल संगठनों में पारदर्शिता बढ़ेगी और युवाओं को खेल व शिक्षा दोनों में एक साथ आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, 'एक तरफ हम मजबूत बुनियादी ढांचा और वित्त पोषण का तंत्र तैयार कर रहे हैं, वहीं युवाओं को बेहतर अनुभव देने पर भी लगातार काम कर रहे हैं।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि एक समय था जब खेलों को लेकर सरकार और समाज दोनों में उदासीनता थी और बहुत कम युवा खेल को करियर के रूप में अपनाते थे। लेकिन बीते दशक में यह सोच बदली है और अब खेलों को लेकर सकारात्मक माहौल बना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज देश इसलिए आगे बढ़ रहा है क्योंकि हर नागरिक और हर वर्ग 'इंडिया फर्स्ट' की भावना के साथ काम कर रहा है। उन्होंने कहा, 'स्वच्छता से लेकर डिजिटल पेमेंट तक, 'एक पेड़ मां के नाम' से लेकर विकसित भारत अभियान तक–हम इसलिए प्रगति कर रहे हैं क्योंकि देश का हर व्यक्ति सामूहिक चेतना के साथ राष्ट्र के लिए काम कर रहा है।'

ओडिशा खदान हादसा : खदान में जोरदार धमाका 4 मजदूरों की मौत, कई के दबे होने की आशंका

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा के ढेंकनाल जिले से एक दर्दनाक खबर सामने आई है। शनिवार देर रात गोपालपुर गांव के पास स्थित एक अवैध पत्थर खदान में शक्तिशाली विस्फोट होने से चार मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई। मलबे के नीचे अभी भी कई मजदूरों के फंसे होने की आशंका जताई जा रही है जिन्हें निकालने के लिए युद्ध स्तर पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि जिस खदान में यह हादसा हुआ उसे बंद करने का आदेश पहले ही दिया जा चुका था। जिला खनन कार्यालय ने 8 सितंबर 2025 को ही इस खदान के पट्टाधारक को काम बंद करने का निर्देश जारी किया था। खदान के पास विस्फोट करने की अनिवार्य अनुमति नहीं थी। इसके बावजूद, नियमों को ताक पर रखकर रात के अंधेरे में वहां अवैध रूप से ब्लास्टिंग की जा रही थी। धमाका इतना तेज था कि खदान का एक बड़ा हिस्सा धंस गया और पत्थर की विशाल शिलाएं नीचे काम कर रहे मजदूरों पर गिर गईं। दमकल विभाग के अधिकारियों के मुताबिक पत्थर इतने बड़े हैं कि उन्हें हाथों से हटाना नामुमकिन है। इसलिए मौके पर भारी मशीनरी और खोजी दलों को लगाया गया है। प्रशासन ने बचाव कार्य के लिए कुल 7 टीमें भेजी हैं। फिलहाल घटनास्थल को पूरी तरह सील कर दिया गया है और वहां आम लोगों की आवाजाही रोक दी गई है। इस हादसे ने स्थानीय प्रशासन और खनन विभाग की सतर्कता पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय निवासियों का आरोप है कि पट्टा खत्म होने के बावजूद खदान में गतिविधियां जारी थीं। फिलहाल जिला खनन अधिकारी और खदान मालिक से संपर्क नहीं हो पाया है, वे फरार बताए जा रहे हैं। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि हादसे के वक्त खदान के अंदर कुल कितने मजदूर मौजूद थे।

संभल में एक बार फिर चला योगी का बुलडोजर

सरकारी जमीन पर बने अवैध मदरसा, मस्जिद को किया ध्वस्त

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के संभल जिले में प्रशासन की सख्त कार्रवाई ने पूरे इलाके का ध्यान खींचा। सुबह से ही जिले में अवैध निर्माण के खिलाफ बुलडोजर अभियान चलाया जा रहा है। सरकारी जमीन पर बने अवैध ढांचों को हटाने के तहत पहले मस्जिद और फिर मदरसे पर कार्रवाई की गई।

संभल के सलेमपुर सालार उर्फ हाजीपुर गांव में प्रशासन ने 1339 वर्ग मीटर सरकारी भूमि पर बने अवैध मदरसे को ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की। अधिकारियों के अनुसार, मदरसे का निर्माण बिना अनुमति सरकारी जमीन पर किया गया था। इस मामले में प्रशासन ने मदरसा प्रबंधन पर करीब 52 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। बुलडोजर कार्रवाई के साथ-साथ जमीन को कब्जा मुक्त कराया जा रहा है। प्रशासन का कहना है कि कार्रवाई पूरी होने के बाद इस भूमि का उपयोग जरूरतमंद लोगों के हित में किया जाएगा।

वहीं, रायाबुजुर्ग गांव में तालाब की सरकारी जमीन पर बनी मस्जिद के अवैध हिस्सों को गिराने की कार्रवाई की गई। अदालत के आदेश के बावजूद मस्जिद कमेटी द्वारा केवल आंशिक ढांचा हटाए जाने पर प्रशासन ने शेष निर्माण को भी ध्वस्त करने का निर्णय लिया। इसके तहत बुलडोजर लगाकर पूरे ढांचे को हटाया जा रहा है।

कार्रवाई के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए डीएम और एसपी की अगुवाई में भारी पुलिस बल तैनात किया गया। प्रशासनिक अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई पूरी तरह कानूनी प्रक्रिया और न्यायालय के आदेशों के तहत की जा रही है।

प्रशासन के अनुसार, साल 2000 में सलेमपुर गांव की यह जमीन गरीब परिवारों को आवास आवंटन के लिए चिन्हित की गई थी। आरोप है कि 2005 में इस पर अवैध कब्जा कर मस्जिद का निर्माण कर दिया गया।अब अवैध निर्माण हटाए जाने के बाद मौके पर ही 20 गरीब परिवारों को आवासीय पट्टे आवंटित किए गए हैं। इस फैसले से गांव के लोगों में संतोष देखा गया और कई ग्रामीणों ने प्रशासन की कार्रवाई का स्वागत किया।

दिल्ली की खराब हवा के पीछे बड़ा कारण बाहर से आने वाला प्रदूषण, रिपोर्ट में हुआ चौंकाने वाला खुलासा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। देश की राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या लगातार गंभीर बनी हुई है। दिवाली के बाद से लेकर जनवरी तक लोगों को जहरीली हवा में सांस लेनी पड़ रही है। कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 300 के पार बना हुआ है। इसी बीच एक नई स्टडी सामने आई है, जिसने दिल्ली के प्रदूषण को लेकर अहम जानकारी दी है।

सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2025 में दिल्ली के कुल वायु प्रदूषण का करीब 65 प्रतिशत हिस्सा एनसीआर और पड़ोसी राज्यों से आया है। रिपोर्ट बताती है कि राजधानी की हवा को सबसे ज्यादा नुकसान आसपास के जिलों और राज्यों से आने वाले प्रदूषकों ने पहुंचाया। वहीं, दिल्ली के अपने स्थानीय स्रोतों से केवल 35 प्रतिशत प्रदूषण पैदा हुआ।

रिपोर्ट में यह भी सामने आया है कि दिल्ली में स्थानीय स्तर पर पीएम 2.5 प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत वाहन हैं। गाड़ियों से निकलने वाला धुआं कुल स्थानीय पीएम2.5 का लगभग आधा हिस्सा है। यह प्रदूषण इंडस्ट्री, निर्माण कार्य और कचरा जलाने जैसे अन्य स्रोतों से भी ज्यादा पाया गया।

सीआरईए की स्टडी में यह भी बताया गया है कि 2025 में पराली जलाने से होने वाला प्रदूषण पहले के मुकाबले काफी कम रहा। 15 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच, जब पराली जलाने का समय चरम पर होता है, उस दौरान पीएम2.5 प्रदूषण में औसतन केवल 4.9 प्रतिशत योगदान पराली का रहा। जबकि 2024 में इसी अवधि में यह आंकड़ा 15 प्रतिशत से अधिक था। हालांकि कुछ खास दिनों में इसका असर ज्यादा देखा गया। 12 नवंबर 2025 को पराली जलाने से 22.47 प्रतिशत तक प्रदूषण दर्ज किया गया। इसके बाद 15 नवंबर को 16.48 प्रतिशत और 17 नवंबर को 16.14 प्रतिशत योगदान रहा। फिर भी ये आंकड़े 2024 की तुलना में काफी कम हैं, जब कई दिनों में पराली से होने वाला प्रदूषण 35 से 37 प्रतिशत तक पहुंच गया था।

रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में दिल्ली का सालाना औसत पीएम 2.5 स्तर 96 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर रहा, जो 2024 के 105 माइक्रोग्राम से कम है। यानी करीब 8.6 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसी तरह पीएम10 के स्तर में भी सुधार देखा गया। 2025 में इसका सालाना औसत 197 माइक्रोग्राम रहा, जबकि 2024 में यह 211 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर था। सीआरईए के एनालिस्ट मनोज कुमार एन के अनुसार, दिल्ली की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि उत्तर और उत्तर-पश्चिम से चलने वाली हवाएं एनसीआर और पड़ोसी राज्यों का प्रदूषण राजधानी तक ले आती हैं। यही वजह है कि दिल्ली की हवा पर बाहरी इलाकों का असर ज्यादा पड़ता है। उन्होंने कहा कि अगर प्रदूषण पर काबू पाना है तो सिर्फ दिल्ली में कदम उठाना काफी नहीं होगा। इसके लिए पूरे एनसीआर और आसपास के राज्यों को मिलकर एक साझा रणनीति पर काम करना होगा।

भाजपाई 'डबल इंजन' के उत्तर प्रदेश में जहरीले सिरप से लोगों की हो रही मौत- भाजपा सरकार पर अखिलेश ने बोला करारा हमला

लखनऊ **(एजेंसी)**। समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित राज्यों और केंद्र की 'डबल इंजन' की सरकारों की जमकर आलोचना करते हुए रविवार को कहा कि भाजपा को आंख बंद करके समर्थन व वोट देने वाले अगर रत्ती भर चेतना रखते हों तो खुद से सवाल करें। सपा प्रमुख यादव ने 'एक्स' पर एक लंबे पोस्ट में नसीहत भरे अंदाज में लोगों से कहा कि भाजपा को आंख बंद करके समर्थन व वोट देने वाले अगर रत्ती भर भी देश प्रेम, संवेदना, शर्म, मानवता, विवेक, ज्ञान और चेतना रखते हों तो उनके पोस्ट को पढ़कर खुद से सवाल करें और अपनी बहन, बेटियों, परिवार की ओर देखने के बाद आइने में अपनी आंखों से आंखें मिलाएं! उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, 'भाजपाई 'डबल इंजन' के उत्तराखंड में लोग 'उत्तराखंड की बेटी' के लिए सड़कों पर न्याय मांग रहे हैं। भाजपाई 'डबल इंजन' के उत्तर प्रदेश में जहरीले सिरप से लोगों की मौत हो रही है।

यादव ने इसी तरह के अन्य मामलों का सिलसिलेवार उल्लेख करते हुए दावा किया, 'भाजपाई डबल इंजन के उत्तर प्रदेश में जीएसटी अधिकारी के घर से करोड़ों रुपये नकद निकल रहे हैं और सरकार नोटबंदी से कालेधन के खात्मे और जीएसटी से ईमानदार टैक्स सिस्टम(कर प्रणाली) आने की दुहाई दे रही है।' उन्होंने कहा, 'भाजपाई डबल इंजन के मध्यप्रदेश में जहरीले पानी से लोग मारे जा रहे हैं। भाजपाई डबल इंजन के मध्यप्रदेश में बाबासाहेब की तस्वीरें जलाई जा रही हैं, दलितों पर अत्याचार की हदें पार करी जा रही हैं।' यादव ने कहा, 'भाजपाई डबल इंजन की दिल्ली में लोग एक-एक सांस के लिए तरस रहे हैं। भाजपाई डबल इंजन के राजस्थान में किसान घातक फैक्टरियों की बाउंड्रीवाल ट्रैक्टर से तोड़ रहे हैं।

सपा प्रमुख ने देश के अन्य राज्यों की चर्चा करते हुए कहा, 'भाजपाई डबल इंजन के गुजरात-हरियाणा में आम जनता अरावली को बचाने के लिए अवैध खनन माफियाओं और जमीन पर गिद्ध निगाह लगाए भाजपाइयों के विरुद्ध केवल न्यायालय के सहारे हैं। भाजपाई डबल इंजन के त्रिपुरा के सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान के बेटे की, भाजपाई डबल इंजन के उत्तराखंड में नफरती एजेंडा चलाने वालों द्वारा हत्या कर दी गई।' उन्होंने असम में सांप्रदायिकता बढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा, 'भाजपाई डबल इंजन के असम में सांप्रदायिक भेदभाव की हर हद पार कर दी गई है। भाजपाई डबल इंजन के महाराष्ट्र में लोगों को न चुनाव लड़ने दिया जा रहा है, न वोट देने दिया जा रहा है। लोगों को धमकी देकर चुनाव से हटाया जा रहा है और सभी निर्विरोध चुने जानेवाले भाजपा से ही संबंधित हैं, ये कैसा इत्तफाक है। यादव ने छत्तीसगढ़ में अल्पसंख्यकों के कथित उत्पीड़न को लेकर कहा, 'भाजपाई डबल इंजन के छत्तीसगढ़ में अल्पसंख्यकों के त्योहार पर हमले हो रहे हैं और आदिवासियों के जल, जंगल, ज़मीन बेरहमी से लूटे जा रहे हैं। भाजपाई डबल इंजन के ओडिशा में अल्पसंख्यकों के त्योहार पर गरीब पटरीवालों को धमकाया जा रहा है।' उन्होंने बिहार का उल्लेख करते हुए कहा, 'भाजपाई सवा इंजन के बिहार में शराबबंदी के बावजूद सीमांत थानों के महाभ्रष्टाचार से अवैध शराब धड़ल्ले से बिक रही है।

आज खेल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है : सीएम योगी

वाराणसी **(एजेंसी)**। प्रदेश में देश की धार्मिक, आध्यात्मिक और सांस्कृतिक राजधानी काशी ने खेल जगत में नया इतिहास रच दिया। सिगरा स्थित नवनिर्मित डॉ. संपूर्णानंद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 4 से 11 जनवरी तक आयोजित 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी ने कहा आज खेल समय बर्बादी का नहीं बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है। इस अवसर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 72वीं सीनियर नेशनल वॉलीबॉल चैंपियनशिप के शुभारंभ कार्यक्रम में सभी खिलाड़ियों का स्वागत है। उन्होंने कहा, "प्रधानमंत्री जी, यह आपकी अविनाशी काशी भव्य आयोजन के लिए तैयार है। उन्होंने कहा, सबसे पहले प्रधानमंत्री जी का हृदय से स्वागत करते हुए आभार व्यक्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले साढ़े ग्यारह वर्षों में पूरे भारत के समग्र विकास को सभी ने देखा है। भारत आधुनिकता के साथ नए संकल्पों के साथ विकसित भारत की ओर अग्रसर हो रहा है। आज सरकार की योजनाओं से जुड़कर गरीबी रेखा से ऊपर उठकर नया भारत हर कोई देख रहा है। सीएम योगी ने कहा, "खेलो इंडिया" के माध्यम से खेल को लोगों ने नई दृष्टि से समझा है। आज खेल समय की बर्बादी नहीं, बल्कि जीवन की सफलता का माध्यम है। हर जनपद में विभिन्न खेलों के आयोजन निरंतर हो रहे हैं, जिससे खेल के आयाम बदल रहे हैं। गांव से लेकर शहर स्तर तक खेल की तमाम योजनाएं चल रही हैं और नई बन रही हैं। आज के इस पूरे आयोजन के पीछे प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा है। खेलों में आए बदलाव के पीछे प्रधानमंत्री जी का विजन है। उत्तर प्रदेश में पिछले आठ वर्षों में हर जनपद में स्टेडियम, ओपन जिम और खेलों को आगे बढ़ाने के प्रयास जारी हैं। आज हमारे खिलाड़ी ओलंपिक, कॉमनवेल्थ गेम्स और अन्य अंतरराष्ट्रीय खेलों में हिस्सा ले रहे हैं।

धान क्रय केंद्र में अनियमितताओं का आरोप

कौशाम्बी। सिराथू स्थित धान क्रय केंद्र इन दिनों चर्चा का विषय बना हुआ है। नेफेड द्वारा संचालित इस केंद्र पर खरीद प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। किसानों का आरोप है कि केंद्र पर वास्तविक खरीद की स्थिति स्पष्ट नहीं है, इसके बावजूद कागजी कार्रवाई पूरी कर ली जाती है। किसानों के अनुसार केंद्र पर मशीन के माध्यम से केवल अंगूठा लगवाया जाता है, जबकि धान की खरीद कब और कहां की जा रही है, इसकी कोई ठोस जानकारी नहीं दी जाती। इससे पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता संदेह के घेरे में है।

सूत्रों का कहना है कि यदि इस मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो धान खरीद में कालाबाजारी और अनियमितताओं की परतें खुल सकती हैं, जिनकी आंच जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचने की संभावना है। फिलहाल जिम्मेदार विभागीय अधिकारी इस मामले पर कुछ भी कहने से बचते नजर आ रहे हैं।

माघ मेला : एसपी द्वारा यातायात व्यवस्था एवं रूट डायवर्जन का निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। माघ मेला-2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार द्वारा बरीपुर मोड, कोखराज मोड एवं सकाढ़ा तिराहा पर यातायात व्यवस्था का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस दौरान रूट डायवर्जन ड्यूटी में तैनात पुलिस बल की भी गहनता से जांच की गई।

ज्ञात हो कि निरीक्षण के दौरान पुलिस अधीक्षक द्वारा ड्यूटी में लगे पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने, यातायात को सुचारू रूप से संचालित रखने, किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति उत्पन्न न होने देने तथा मेला अवधि में आने-जाने वाले श्रद्धालुओं/यात्रियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न होने देने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

साथ ही पुलिस अधीक्षक द्वारा मौके पर उपस्थित वाहन चालकों से संवाद स्थापित कर उन्हें लागू रूट डायवर्जन की जानकारी दी गई एवं वैकल्पिक मार्गों के प्रयोग हेतु जागरूक किया गया, जिससे यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे।

जनपद पुलिस द्वारा माघ मेला-2026 के दौरान यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतत निगरानी एवं प्रभावी प्रबंधन सुनिश्चित किया जा रहा है।

निरीक्षण एवं भ्रमण के दौरान अपर पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी व क्षेत्राधिकारी मंझनपुर मौजूद रहे।

राशन कार्डधारकों से अपील, विवाहित महिलाओं के यूनिट कराए स्थानान्तरित- डीएसओ

कौशाम्बी। जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य ने सभी राशन कार्डधारकों से अपील की है कि विवाहित महिलाओं के यूनिट उनके ससुराल में जोड़ने के लिए विभागीय पोर्टल/आपूर्ति कार्यालय में सम्पर्क कर यूनिट स्थानान्तरित कराए।

ज्ञात हो कि शासन द्वारा राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम-2013 के अन्तर्गत आच्छादित महिलाओं का विवाह होने की स्थिति में ससुराल के राशन कार्ड में उनका यूनिट स्थानान्तरित किए जाने के निर्देश दिये गये है।

पुलिस ने कोर्ट की नोटिस तामिल करने पर कराई गांव में डुग्गी मुनादी

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन व रोहिनी यादव क्षेत्राधिकारी बाँसी के नेतृत्व में , अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष थाना खेसरहा के नेतृत्व मे उप निरीक्षक जगतनरायन यादव, हेड कांस्टेबल उमेशचन्द, कांस्टेबल विशाल सिंह, कांस्टेबल देवानन्द गौतम, कांस्टेबल आदित्य यादव वाद संख्या 217/16 धारा 323, 504 भा0द0वि0 से सम्बन्धित वारन्टी विक्की पुत्र हरीनाथ, आकाश पुत्र बैजनाथ, विशाल पुत्र हरीनाथ निवासी बदुरगहना के गिरफ्तारी व 82 तामिला हेतु लगातार दबिश दी जा रही है किन्तु उक्त अभियुक्त गण दस्तेयाब नही हो रहे है। माननीय न्यायालय सिविल जज जू0डि0 / जेएम बांसी के आदेश के क्रम मे उक्त अभियुक्त गण के घर व सार्वजनिक स्थानो पर मुनादी करते हुये डुगडुगी पीटाई गयी।

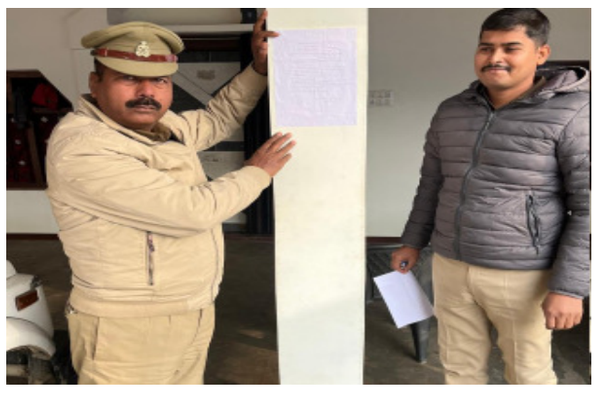

सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग 07 जनवरी को करेंगी, महिला जनसुनवाई

कौशाम्बी। महिला उत्पीड़न की घटनाओं की रोकथाम एवं पीड़ित महिलाओं को त्वरित न्याय दिलाने, आवेदक/आवेदिकाओं की सुगमता के दृष्टिगत सदस्य, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग प्रतिभा कुशवाहा 07 जनवरी को पूर्वान्ह 11 बजे विकास भवन स्थित सरस हाल पहुंचकर महिला उत्पीड़न से सम्बन्धित मामले यथा-दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा, यौन उत्पीड़न, कन्या भ्रूण गर्भपात, बाल विवाह एवं एसिड एटैक आदि से सम्बन्धित विभिन्न अपराधों की जनसुनवाई करेंगी।

ठंड में कंबल पाकर खिले जरूरतमंदों के चेहरे

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। कड़ाके की ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से करारी क्षेत्र के गुवारा तैयबपुर गांव में नए साल के अवसर पर कंबल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत पत्रकार शिवा यादव द्वारा सनईपर, दरियापुर, भैला मकदूमपुर, गुवारा तैयबपुर समेत आसपास के गांवों के करीब 50 जरूरतमंदों को कंबल वितरित किए गए।

ज्ञात हो कि ठिठुरती ठंड में जब जरूरतमंदों को कंबल मिले तो उनके चेहरों पर मुस्कान और राहत साफ दिखाई दी। बुजुर्गों, महिलाओं और गरीब परिवारों ने पत्रकार शिवा यादव के इस प्रयास की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। इस मौके पर पत्रकार शिवा यादव ने कहा कि 'जरूरतमंदों की सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य कार्य है। समाज के सक्षम लोगों को चाहिए कि वे आगे आकर किसी न किसी माध्यम से गरीब और असहाय लोगों की मदद करें, ताकि कोई भी व्यक्ति ठंड, भूख या अभाव में न रहे।' कार्यक्रम के दौरान सहयोगियों ने भी समाजसेवा को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कंबल वितरण कार्यक्रम में कई लोग मौजूद रहे और आयोजन को सफल बनाने में योगदान दिया।स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह के आयोजन न केवल जरूरतमंदों को राहत पहुंचाते हैं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और मानवता की भावना को भी मजबूत करते हैं। इस मौके पर आयुष, विजय विश्वकर्मा, बड़कू यादव, दुर्गेश, राम अभिलाष, करन, अयोध्या, प्रदीप, अजीत, आदि लोग मौजूद रहे।

डीएम के निर्देशानुसार अधिकारियों ने सीएचसी सरायअकिल कनैली व सिराथू का किया आकस्मिक निरीक्षण

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार मुख्य पशु चिकित्साधिकारी अशेक कुमार व उप मुख्य चिकित्साधिकारी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरायअकिल (एफ.आर.यू.) एवं जिला पूर्ति अधिकारी मंगेश कुमार मौर्य व प्रभारी चिकित्साधिकारी मंझनपुर नीरज कुमार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिराथू (एफ.आर.यू.) तथा मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. संजय कुमार व जिला विकास अधिकारी शैलेन व्यास ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कनैली (एफ.आर.यू.) का आकस्मिक निरीक्षण कर रात्रिकालीन व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

ज्ञात हो कि अधिकारियों ने आकस्मिक निरीक्षण में अस्पताल में इमरजेंसी चिकित्साधिकारी की सुविधा, प्रसव की सेवा एवं लैब टेस्ट की सुविधा, सी. सेक्शन की सुविधा, ठंड के दृष्टिगत मरीजों के लिए वार्ड में हीटर की सुविधा, मरीजों के साथ व्यवहार एवं मरीज के लिए आर.ओ. पानी की सुविधा को देखा गया, इन सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में व्यवस्थाएं ठीक पाई गई।

एसपी के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों, चौकियों एवं कार्यालयों में चला व्यापक स्वच्छता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी राजेश कुमार के कुशल निर्देशन एवं मार्गदर्शन में रविवार को जनपद के समस्त थानों, पुलिस चौकियों एवं कार्यालयों में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान पुलिसकर्मियों ने अत्यंत उत्साह के साथ श्रमदान करते हुए थाना परिसर, कार्यालय भवन, अभिलेख कक्ष, शस्त्रागार, मालखाना, हवालात और आवासीय परिसरों की गहन साफ-सफाई की। अभियान का मुख्य उद्देश्य पुलिस कार्यस्थल पर स्वच्छ एवं अनुशासित वातावरण सुनिश्चित करना तथा कूड़ा-करकट का समुचित निस्तारण कर स्वच्छता का संदेश देना है।

इस अवसर पर समस्त पुलिसकर्मियों द्वारा 'स्वच्छता ही सेवा' के भाव को आत्मसात करते हुए प्रतिदिन अपने आसपास सफाई बनाए रखने और स्वच्छ वातावरण में कार्य करने का संकल्प लिया गया। साथ ही पुलिस द्वारा आम जनमानस को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया। पुलिस अधीक्षक ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्वच्छता एक निरंतर प्रक्रिया है, अतः सभी परिसर सदैव सुव्यवस्थित रखे जाएं। यह स्वच्छता अभियान भविष्य में भी प्रत्येक रविवार को नियमित रूप से जारी रहेगा ताकि पुलिस कार्यालयों में एक आदर्श वातावरण बना रहे।

मिशन शक्ति टीम द्वारा बहू बेटी सम्मेलन व साइबर जागरूकता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव तथा प्रभारी निरीक्षक मृत्युंजय पाठक के कुशल नेतृत्व में मिशन शक्ति के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र के ग्राम-जीवा मे महिलाओं को एकत्रित कर चौपाल लगाकर मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष नारी शक्ति वंदन अधिनियम मातृ शक्ति को संबंधी जानकारी को बताया गया । मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन1098, चाइल्ड हेल्पलाइन102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में जानकारी उप निरीक्षक चतुर्भुज पाठक, कांस्टेबल बीरबल यादव, महिला कास्टेबल कीर्ति सिंह की टीम ने जागरूक किया गया तथा एंटी रोमियो चेकिंग के दौरान चौराहे पर अनावश्यक रूप से घूमने वाले 02शोहदो /मंचलो का माफीनामा व 12 वाहन व 20 व्यक्ति चेक कर हिदायत मुनासिब किया गया।

पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान चलाया गया स्वच्छता अभियान

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जनपद की पुलिस द्वारा नव वर्ष के अवसर पर सार्वजनिक जगहों पार्क, सड़क, उपवन इत्यादि में प्लास्टिक के निस्तारण हेतु अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन, गोरखपुर के निर्देश के क्रम में पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन के तत्वाधान में डॉ अभिषेक महाजन, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रशान्त कुमार प्रसाद, अपर पुलिस अधीक्षक व विश्वजीत सौरयान क्षेत्राधिकारी सदर, पुलिस कर्मियों/ रिक्रूट आरक्षियों व नगर पालिका के कर्मचारीगण की टीम के साथ के जिला राजकीय उद्यान व बुद्धा पार्क में प्लास्टिक सफाई अभियान चलाया गया । इस अभियान में पुलिस के अधिकारियों एवं कर्मियों ने स्वयं झाड़ू उठाकर थाना सिद्धार्थनगर के राजकीय उद्यान व बुद्धा पार्क एवं आसपास के क्षेत्र से प्लास्टिक कचरा, पॉलीथीन तथा अन्य अपशिष्ट सामग्री को एकत्रित कर सुरक्षित निस्तारण किया। अभियान का मुख्य उद्देश्य न केवल राजकीय उद्यान व बुद्धा पार्क को स्वच्छ बनाना था, बल्कि आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना भी था । स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत श्रेष्ठ भारत के तहत ये अभियान चलाया गया। जैसे सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता से न केवल पर्यावरण सुरक्षित रहता है, बल्कि आने वाले पर्यटकों को बेहतर सुविधा मिलती है। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर ने भी सभी पुलिसकर्मियों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे अभियान से पुलिस और जनता के बीच का संबंध और मजबूत होता है। इस सफाई अभियान में सैकड़ों पुलिसकर्मियों एवं रिक्रूट आरक्षियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । इस दौरान प्रभारी निरीक्षक सिद्धार्थनगर मय पुलिस बल व प्रतिसार निरीक्षक जनपद सिद्धार्थनगर सहित अन्य अधिकारी/ कर्मचारीगण मौजूद रहें।

पुलिस ने महिलाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिनी यादव के कुशल नेतृत्व में व थानाध्यक्ष मीरा चौहान द्वारा मिशन शक्ति व जन चौपाल मे नए कानून के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर के ग्राम कुंवरापार में महिलाओं /बच्चियों को जनचौपाल एकत्रित कर चौपाल लगाकर बालिकाओं/ महिलाओं (कुल 35) नए कानून के बारे मे बताते हुवे मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया। मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में उप निरीक्षक कपिल मुनि, उप निरीक्षक आनंद शाही, कास्टेबल प्रदीप उपाध्याय, महिला कांस्टेबल सुशीला वुशवाहा, महिला कांस्टेबल पूजा यादव की टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक।

पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत प्रशान्त कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल पर्यवेक्षण में व मयंक द्विवेदी क्षेत्राधिकारी शोहतगढ़ के कुशल निर्देशन व थानाध्यक्ष थाना कठेला समय माता अभय सिंह के नेतृत्व में थाना बांसी पुलिस द्वारा न्यायालय प्रधान न्यायाधीश द्वारा निर्गत वाद संख्या-1007/24 धारा 144(3) बीएनएसएस थाना बाँसी से सम्बन्धित एक नफर वारंटी प्रदीप कुमार चौहान उर्फ विशाल पुत्र शिवप्रसाद ग्राम सौरहवा टोला धुन्नीजोत को पुलिस उप निरीक्षक आनन्द कुमार , हे0का0 विनीत शुक्ला, कास्टेबल गगनदीप की टीम ने गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही कर न्यायालय भेजा।

पुलिस ने महिलाओं को साइबर सुरक्षा के प्रति किया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर डॉ अभिषेक महाजन द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओ की सुरक्षा में चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद के पर्यवेक्षण में क्षेत्राधिकारी बांसी रोहिणी यादव के कुशल नेतृत्व में व थानाध्यक्ष मीरा चौहान द्वारा मिशन शक्ति व जन चौपाल मे नए कानून के अन्तर्गत महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम के तहत थाना क्षेत्र जोगिया उदयपुर के ग्राम कुंवरापार में महिलाओं /बच्चियों को जनचौपाल एकत्रित कर चौपाल लगाकर बालिकाओं/ महिलाओं (कुल 35) नए कानून के बारे मे बताते हुवे मिशन शक्ति के तहत सरकार के विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे मे जानकारी दिया गया व जागरूक किया गया जैसे कि मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, रानी लक्ष्मी बाई बाल एवं महिला सम्मान कोष, नारी शक्ति वंदन अधिनियम, मातृ शक्ति को सम्बल, निराश्रित महिला पेंशन योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना आदि अन्य योजनाओ से संबंधी जानकारी को बताया गया। मिशन शक्ति फेज 5.0 कार्यक्रम के अंतर्गत बहु बेटी सम्मेलन आयोजित किया गया तथा उनके अधिकार के बारे में बताया गया व उनको जागरूक किया गया जानकारी देते हुए विभिन्न हेल्पलाइन नंबर- 112, पुलिस आपातकालीन सेवा 1090, वूमेन पावर हेल्पलाइन 1076, माननीय मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 108, एंबुलेंस सेवा 1930, साइबर अपराध हेल्पलाइन 1098, चाइल्ड हेल्पलाइन 102, स्वास्थ्य सेवा 181 वीमेन हेल्पलाइन 101अग्निशमन सेवा के बारे में उप निरीक्षक कपिल मुनि, उप निरीक्षक आनंद शाही, कास्टेबल प्रदीप उपाध्याय, महिला कांस्टेबल सुशीला वुशवाहा, महिला कांस्टेबल पूजा यादव की टीम ने महिलाओं और बालिकाओं को किया जागरूक।

गांव की समस्या, गांव में समाधान लगा चौपाल, फरियादियों की सुनी गई समस्या

मंत्र भारत संवाददाता

सिद्धार्थनगर। जिले के अन्तर्गत विकास खण्ड शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम पंचायत मड़वा 'गांव की समस्या, गांव में समाधान' अभियान के तहत पंचायत भवन पर ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चौपाल का उद्देश्य ग्रामीणों की समस्याओं को सुनकर मौके पर ही समाधान की दिशा में पहल करना रहा। मड़वा गांव की चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता खण्ड विकास अधिकारी शोहरतगढ़ चन्द्र भूषण तिवारी ने की। चौपाल में ग्रामीणों ने पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना, व्यक्तिगत शौचालय, रोजगार, स्वच्छता सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं से जुड़ी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं।

कार्यक्रम में अधिकारियों द्वारा जी राम जी योजना (विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण), पीएम आवास, पेंशन, शौचालय, रोजगार से संबंधित योजनाओं की जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया गया।आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग, बीमा सेवाओं के साथ-साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार व मसाला पाउडर निर्माण जैसे गृह उद्योगों की जानकारी देकर स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया।चौपाल में जी राम जी योजना (पूर्व मनरेगा) पर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि जहां मनरेगा में 100 दिनों की रोजगार गारंटी थी, वहीं जी राम जी योजना के तहत 125 दिनों की रोजगार गारंटी प्रदान की जा रही है। इस योजना में रोजगार के साथ-साथ ग्रामीण विकास, जल संरक्षण, सिंचाई, आंगनबाड़ी भवन निर्माण, वृक्षारोपण और जल-स्वच्छता से जुड़ी परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही बायोमेट्रिक सत्यापन व जीपीएस आधारित उपस्थिति जैसी व्यवस्थाओं से पारदर्शिता और जवाबदेही को मजबूत किया गया है।इस दौरान बीडीओ चन्द्र भूषण तिवारी, एडीओ समाज कल्याण प्रमोद कुमार, एपीओ अरुण कुशवाहा, सचिव अजय भारतीया, जेई पियूष मिश्रा, रोजगार सेवक विजय कुमार दूबे, पंचायत सहायक सुजाता गिरी, कोटेदार मनोवर, विजय प्रकाश सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने दीप जलाकर किया

लोक आस्था और जन विश्वास की जीवंत परंपरा है माघ मेला : डॉ. धनंजय चोपड़ा

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। सदियों से चली आ रही लोक आस्था की अविरल यात्रा हर वर्ष संगम तट पर ठहरकर माघ उत्सव के रूप में स्वयं को अभिव्यक्त करती है। यही परंपरा माघ मेला और प्रत्येक छह वर्ष में कुंभ मेले के रूप में देश-दुनिया को प्रयागराज की ओर आकर्षित करती है। संगम की रेती केवल आस्था का प्रतीक नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और संवारने का जीवंत माध्यम भी है। यह विचार वरिष्ठ लेखक, चिंतक एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय के मीडिया अध्ययन केंद्र के कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. धनंजय चोपड़ा ने व्यक्त किए।

डॉ. चोपड़ा उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सांस्कृतिक केंद्र प्रेक्षागृह में आयोजित माघ मेले के अवसर पर आयोजित 'चलो मन गंगा-यमुना तीर' कार्यक्रम के अंतर्गत 'शब्द-ब्रह्म' संगोष्ठी में 'लोक आस्था एवं जन विश्वास का महोत्सव' विषय पर विचार रख रहे थे। उन्होंने कहा कि माघ मेले में जन विश्वास की असंख्य कथाएं मिलती हैं, जो न केवल जीवन में ऊर्जा का संचार करती हैं, बल्कि हमें जीवन जीने की कला भी सिखाती हैं। मेले के दौरान होने वाला कल्पवास आस्था से आगे बढ़कर जीवन प्रबंधन की एक अनुपम पाठशाला है। यही कारण है कि देश-विदेश के विश्वविद्यालयों के शोधार्थी कल्पवास की प्रक्रिया और उसके प्रभावों के अध्ययन हेतु प्रयागराज आते हैं। यह मेला हमारी लोक संवेदनाओं को सहेजते हुए बदलते समय में समाज को जीवन की दिशा दिखाता रहेगा।

इस अवसर पर डॉ. श्लेष गौतम ने कहा कि महाकुंभ और माघ मेला हमारी सांस्कृतिक, धार्मिक तथा लोक आस्था एवं जन विश्वास के महोत्सव हैं, जिन्हें समेकित दृष्टि

से समझने पर ही उनके व्यापक महत्व, विविधता और वैचारिकी को जाना जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज माघ मेला और कल्पवास की परंपरा वैश्विक संवाद का विषय बन चुकी है, क्योंकि भारत की ज्ञान, दर्शन, चिंतन और लोक जीवन की परंपराएं सदैव विश्व को आकर्षित करती रही हैं। संगम की त्रिवेणी रेती पर तंबुओं का यह विस्तार एक आध्यात्मिक लोक का साकार रूप है, जहां वेद, वेदांत, उपनिषद और महाकाव्यों के संदर्भों के साथ जीवन और चेतना पर गहन विमर्श होता है। असली त्रिवेणी आत्मिक शुद्धि का है।

शब्द-ब्रह्म : साहित्य और संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में माघ मेला विषय पर अपने विचार रखते हुए प्रो. राजेंद्र त्रिपाठी 'रसराज' ने तीर्थराज प्रयाग के पौराणिक महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने ब्रह्मपुराण और स्कंद पुराण के साक्ष्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि ब्रह्मा द्वारा सर्वोत्कृष्ट यज्ञ संपादित किए जाने के कारण इस स्थल का नाम प्रयाग पड़ा। समस्त तीर्थों में श्रेष्ठ होने से इसे प्रयागराज कहा गया। स्कंद पुराण के अनुसार माघ माह में समस्त तीर्थों का समागम प्रयाग में होता है, जो लोक आस्था का मूल कारण है। कल्पवास का माहात्म्य ही माघ मेले का प्राण तत्व है और यही आस्था आज भी परंपरा के रूप में जीवित है। कार्यक्रम का शुभारंभ केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा एवं उपस्थित वक्ताओं द्वारा दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। केंद्र निदेशक सुदेश शर्मा ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि

'शब्द-ब्रह्म भारतीय संस्कृति की उस चेतना का प्रतीक है, जहाँ लोक आस्था, साहित्य और जीवन दर्शन एक-दूसरे से संवाद करते हैं। माघ मेला हमारी जीवंत परंपरा और जन विश्वास का महोत्सव है।' 'चलो मन गंगा-यमुना तीर' के माध्यम से हम इसी सांस्कृतिक विरासत को संवाद और विमर्श के केंद्र में लाने का प्रयास कर रहे हैं।' इसके बाद मंत्रोचारण प्रतियोगिता भी आयोजित की गई, जिसमें आशीष पाल, समिष्ठा पाल, परिधि घोष, प्रसुन घोष, प्रबुद्ध पाल, यथार्थ चौबे व गौरी ने भाग लिया। केन्द्र निदेशक ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रमोद द्विवेदी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम सलाहकार श्रीमती कल्पना सहाय ने किया।

'मिशन शक्ति 5.0' अभियान : महिलाओं एवं बालिकाओं को किया गया जागरूक

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज व अपर पुलिस आयुक्त कमिश्नरेट प्रयागराज के निर्देशन तथा पुलिस उपायुक्त यमुनानगर के कुशल पर्यवेक्षण में उत्तर प्रदेश शासन द्वारा नारी सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबन हेतु चलाये जा रहे अभियान 'मिशन शक्ति 5.0' के तहत जोन यमुनानगर के समस्त थानों की मिशन शक्ति /एंटी रोमियो टीम द्वारा अपने-अपने थाना क्षेत्र अंतर्गत बालिकाओं व महिलाओं को महिला सुरक्षा व महिला सशक्तिकरण तथा केंद्र सरकार व राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न योजनाएं जैसे- सुकन्या समृद्धि योजना, वृद्धा पेंशन योजना, विधवा पेंशन योजना, उज्ज्वला योजना, सामूहिक विवाह योजना, चिकित्सा संबंधी आयुष्मान योजना व हेल्पलाइन नंबर जैसे- वूमेन पावर हेल्पलाइन नंबर 1090, महिला हेल्पलाइन नंबर 181, चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन नंबर 1076, पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112, फायर ब्रिगेड हेल्पलाइन नंबर की जानकारी दी।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ मुरली मनोहर जोशी का मनाया गया जन्मोत्सव समारोह

डाक्टर मुरली मनोहर जोशी आधुनिक विकास के महाग्रंथ : डॉ नरेन्द्र सिंह गौर

प्रयागराज। डॉ मुरली मनोहर जोशी शुभचिंतक समिति के द्वारा वात्सल्य सभागार सिविल लाइन में पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ मुरली मनोहर जोशी का 91वां जन्मदिन समारोह मनाया गया इस अवसर

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व कैबिनेट मंत्री नरेंद्र कुमार सिंह गौर ने कार्यकर्ताओं के साथ डॉ मुरली मनोहर जोशी जी के सचित्र पर मिठाई खिलाते हुए उन्हें 91वीं जन्मदिन की बधाई दी और कहा कि और कहा डॉ मुरली मनोहर जोशी ने अपना जीवन एक सफल राजनेता एवं शिक्षक के रूप में राष्ट्र को समर्पित किया। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई और पूर्व उप प्रधानमंत्री आडवाणी जी के साथ मिलकर भारतीय जनता पार्टी को एक नई ऊंचाई दी और भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में उन्होंने कार्यकर्ताओं को गढ़ने ने का काम किया और जब वे देश के केंद्रीय मानव संसाधन मंत्री बने तो उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय को केंद्रीय दर्जा दिलाया और नैनी ब्रिज का निर्माण किया, इसके अलावा खेलगांव की नींव रखी और प्रयागराज को साइंस सिटी घोषित करते हुए ट्रिपल आईटी कॉलेज का निर्माण कराया वास्तव में डॉक्टर मुरली मनोहर जोशी विकास के एक महा ग्रंथ के रूप में उभरे जिसे प्रयागराज भूल नहीं सकता।

इस अवसर इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर डॉ कैलाश उत्तम , डा एलएस ओझा, भाजपा महामंत्री देवेश सिंह, भाजपा प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने कहा कि डॉ मुरली मनोहर जोशी का प्रयागराज के विकास में अतुलनीय योगदान रहा है। इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक भाजपा के पूर्व मंडल अध्यक्ष अनिल भट्ट एवं संयोजिका श्रीमती सोनी भट्ट ने संचालन करते हुए कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया और डॉ जोशी जी को जन्मदिन की बधाई देते हुए दीर्घायु की कामना की। इस अवसर पर पार्षद आशीष द्विवेदी, सुभाष वैश्य, सोनी भट्ट शिवेंद्र मिश्रा, रमन घोष, ज्ञानेंद्र गुप्ता , विजय श्रीवास्तव , शुभांकर सिंह, सर्वेश ठाकुर, चंद्रा अहलूवालिया, कल्पना शर्मा, विजय श्रीवास्तव, एवं भारतीय जनता पार्टी के सभी कार्यकर्ता गण रहे।

कमला द्विवेदी फिलिंग स्टेशन टीम ने मारी बाजी : खेल से अनुशासन, भाईचारा होता है मजबूत : सांसद सीमा द्विवेदी

आने वाले समय में आयोजन को और बेहतर बनाया जाएगा : डॉ उत्कर्ष द्विवेदी

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/जौनपुर। अचकारी प्रीमियर लीग (एपीएल सीजन-2) के फाइनल मुकाबला कमला द्विवेदी फिलिंग स्टेशन मुंगराबादशाहपुर और बरहदा प्रतापगढ़ के बीच खेला गया। दोनों टीमों ने बेहतरीन खेल प्रदर्शन किया जिसमें अंततः कमला द्विवेदी फिलिंग स्टेशन मुंगरा बादशाहपुर की टीम ने शानदार रणनीति और प्रदर्शन से खिताबी जीत हासिल की। मुख्य अतिथि सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी और बीएचयू के प्रो (डा) अरूण द्विवेदी ने विजेता, उप विजेता, मैन आफ द सिरीज, मैन आफ द मैच प्राप्त करने वाले खिलाडियों को सम्मानित किया।

सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए खिलाडियों और आयोजन समिति को बधाई दी। उन्होंने कहा कि हार, जीत तो लगी रहती है लेकिन खेल को खेल की भावना से सदैव खेलना चाहिए इससे भाई चारा और प्रेम बढता है। उन्होंने खेल ना केवल हमें अनुशासन सिखाते हैं, बल्कि आपसी भाईचारे को भी मजबूत करते हैं। आशा है कि भविष्य में भी ऐसे आयोजन हमारे युवाओं को मंच प्रदान करते रहेंगे।

सांसद श्रीमती सीमा द्विवेदी ने भव्य टूर्नामेंट के सफल आयोजन के लिए आयोजक डॉ उत्कर्ष द्विवेदी, पंकज द्विवेदी, मिथुन मिश्रा और 'अचकारी प्रीमियर लीग कमेटी' के सभी ऊर्जावान सदस्यों को साधुवाद देती हूँ। उन्होंने हजारों की संख्या में आए खेल प्रेमियों का भी हृदय से आभार ज्ञापित किया, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति और शोर ने खिलाड़ियों का उत्साह दोगुना कर दिया।आयोजन समिति के चेयरमैन डॉ उत्कर्ष द्विवेदी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में इस आयोजन को और बेहतर बनाया जाएगा।

जेडी फाइनेंस, जेडी, एडी बेसिक, एडीआईओएस ने शिक्षकों को किया सम्मानित

समाज के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण : सीएल चौरसिया

शिक्षकों के हित में जारी रहेगा संघर्ष : प्रदेश संरक्षक डा हरिप्रकाश यादव

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा, प्रदेश संरक्षक डा हरिप्रकाश यादव, प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा सहित प्रांतीय, मंडलीय एवं जनपदीय पदाधिकारी, वरिष्ठ शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे। समारोह का शुभारंभ अतिथियों ने दीप प्रज्वलन के साथ किया। जिलाध्यक्ष देवराज सिंह एवं जिला मंत्री डीपी यादव ने बैज लगाकर तथा प्रदेश संरक्षक डॉ हरि प्रकाश यादव, प्रदेश संगठन मंत्री सुरेश पासी, प्रदेशीय आय व्यय निरीक्षक सुरेन्द्र प्रताप सिंह प्रदेश मीडिया प्रभारी सुधाकर ज्ञानार्थी, प्रदेशीय मंत्री तीर्थराज पटेल, संदीप शुक्ला, मंडलीय अध्यक्ष मिथलेश मौर्य व मंत्री लक्ष्मी नारायण सिंह ने पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत किया। संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष उपेन्द्र वर्मा ने किया। अतिथियों ने स्थानांतरित शिक्षकों को अंगवस्त्र, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान देकर सम्मानित किया । सम्मान पाकर

शिक्षकों में विशेष उत्साह एवं गौरव की अनुभूति दिखी। मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक (पत्राचार) सीएल चौरसिया ने कहा कि शिक्षक समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और स्थानांतरण के बाद नए वातावरण में कार्य करना चुनौतीपूर्ण होने के साथ-साथ अवसर भी प्रदान करता है।

जेडी फाइनेंस महेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि संगठनात्मक एकता और सकारात्मक संवाद से ही शैक्षिक समस्याओं का समाधान संभव है।

संयुक्त शिक्षा निदेशक आरएन विश्वकर्मा एवं प्रभारी विद्यालय निरीक्षक जितेन्द्र प्रताप सिंह ने शिक्षकों से अनुशासन, निष्ठा एवं नवाचार के साथ शिक्षण कार्य करने की आह्वान किया। एडीआईओएस अजय गिरी ने कहा कि इस प्रकार के सम्मान समारोह शिक्षकों के मनोबल को बढ़ाने के साथ-साथ उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करते हैं। उन्होंने शिक्षकों से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्र हित एवं सामाजिक उत्तरदायित्वों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया।

एकजुट के प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (एकजुट) सदैव शिक्षकों के सम्मान, अधिकार एवं हितों के लिए संघर्षरत रहा है। प्रदेश संरक्षक डा हरि प्रकाश यादव ने संगठन की एकजुटता और भविष्य की कार्ययोजना पर अपने विचार रखे तथा स्थानांतरण के लिए किए गए संघर्षों को याद करते हुए शिक्षक हित में हर समय संघर्ष में कदम से कदम मिलाकर चलने की बात कही।

कार्यक्रम का समापन जिला अध्यक्ष देवराज सिंह के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। आयोजकों ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन आगे भी निरंतर किए जाते रहेंगे। इस मौके पर संगठन के जिला कार्यकारिणी सदस्य गार्गी श्रीवास्तव, आकांक्षा कुशवाहा, अमृता यादव, लालमणि यादव, अरुण कुमार, डॉ राजेश सिन्हा, आशीष गुप्ता, विजय प्रकाश विद्रोही, राधेश प्रताप, प्रकाश जायसवाल, विजय यादव, अनिल भारती, शांति विश्वकर्मा, विनोद यादव, दिनेश यादव, राजीव रंजन पटेल, रूप चंद्र गौतम, वीरेंद्र कुशवाहा, हरिश्चन्द्र, सुनील कुमार, समेत सैकड़ों शिक्षक साथी सम्मिलित हुए।

आजादी हेतु शहीद हुए प्रयागराज के 4 शहीदों को याद किया गया

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। जनपद में आज के दिन ही 4 जनवरी को चार भारतीयों को घोड़े की टॉप से कुचल कुचल कर क्रूरता पूर्वक शहीद कर दिया गया था। आज उन्हें शहीदवॉल पर श्रद्धांजलि नमन कार्यक्रम संपन्न हुआ।पुलिस बैंड ने उनके सम्मान में राष्ट्र धुन बजायी।

शहीदवॉल के संस्थापक वीरेन पाठक ने बताया कि आज के दिन वह क्रूर घटना घटी थी जिसके बाद यह कहावत प्रचलित हो गई कि क्या अंग्रेज हो। उन्होंने बताया कि 4 जनवरी 1932 को आजादी के लिए शांतिपूर्वक एक जुलूस चौक से चला। बलोच रेजीमेंट और अंग्रेज अधिकारियों ने इसे सामने से रोक लियाऔर लेट जाने का आदेश दिया। जब आजादी चाहने वालों ने अंग्रेजों का आदेश मानने से इनकार कर दिया तो अंग्रेज अधिकारियों ने इन पर घोड़े चढ़ा दिए। घोड़े की टॉप से कुचल कुचल कर इन्हें इतना घायल कर दिया कि यह सभी भारत माता के लिए शहीद हो गए। आज यही 4 बलिदानियों नियामउल्ला, सूरज नारायण, सोहन लाल और हरनारायण की शहादत को सम्मान देने के लिए पुलिस बैंड ने राष्ट्र धुन बजायी तथा दीप जलाकर श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। कार्यक्रम को के के मिश्रा ने मुख्य रूप से सम्बोधित किया। उन्होने कहा कि हम देशवासियों को इन भारतीयों के बलिदान को याद रखते हुए, इनके सपनो का भारत बनाना है।

सद्विद्या ही समाधान एसजीव्हीपी का वार्षिक समारोह

शिक्षा यदि केवल सूचना दे, पर संस्कार न दे तो वह अधूरी है : स्वामी चिदानन्द सरस्वती

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज/अहमदाबाद। एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार द्वारा आयोजित विद्यालय का भव्य वार्षिक समारोह 'सद्विद्या ही समाधान' आज अत्यंत श्रद्धा, गरिमा एवं उत्साह के साथ अहमदाबाद गुरूकुल में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम वार्षिक उत्सव के साथ भारतीय शिक्षा, परंपरा, संस्कार, सेवा और समग्र विकास की जीवंत अभिव्यक्ति है, जिसमें विद्या को जीवन की समस्त समस्याओं का समाधान बताया गया है।

इस पावन अवसर पर देश के विख्यात संत, शिक्षाविद्, नीति-निर्माता एवं समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्व अपनी गरिमामयी उपस्थिति से कार्यक्रम को अलंकृत करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, आध्यात्मिक प्रमुख एवं अध्यक्ष, परमार्थ निकेतन, परम पूज्य स्वामी चिदानन्द सरस्वती जी महाराज की प्रेरक उपस्थिति ने सभी अतिथियों, गुरूकुल के अनेकों विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षकों के लिए एक आध्यात्मिक एवं नैतिक संबल प्रदान किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन परम पूज्य माधवप्रियदासजी स्वामी, संस्थापक अध्यक्ष एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार द्वारा किया गया। शिक्षा, संस्कार और सेवा को जीवन का आधार मानने वाले स्वामी जी के नेतृत्व में एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार भारतीय मूल्य-आधारित शिक्षा का एक सशक्त केंद्र है।

एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार का यह प्रयास स्पष्ट संदेश देता है कि शिक्षा केवल पाठ्यपुस्तकों तक सीमित नहीं, बल्कि चरित्र निर्माण, संस्कार, करुणा, पर्यावरण चेतना एवं राष्ट्र-निर्माण का सशक्त माध्यम है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में, जहाँ भौतिक प्रगति के साथ नैतिक मूल्यों का क्षरण देखने को मिलता है, वहीं एसजीव्हीपी जैसे संस्थान 'सद्विद्या' के माध्यम से समाज को संतुलित, संवेदनशील और संस्कारवान नागरिक प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं।

यह वार्षिक समारोह निश्चित रूप से विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा, अभिभावकों के लिए विश्वास और समाज के लिए आशा का संदेश लेकर आया है। एसजीव्हीपी गुरुकुल परिवार द्वारा आयोजित यह आयोजन शिक्षा, अध्यात्म और समाज सेवा के त्रिवेणी संगम के रूप में स्मरणीय रहेगा।

त्रिशला फाउंडेशन ने सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों के साथ नववर्ष मनाया

सेरेब्रल पाल्सी है न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति : डॉ.अनिरुद्ध के पुरोहित

मंत्र भारत संवाददाता

प्रयागराज। त्रिशला फाउंडेशन की ओर से कर्नलगंज इंटर कॉलेज मैदान, जॉर्जटाउन में आज नववर्ष समारोह का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित बच्चों एवं उनके अभिभावकों के लिए समर्पित रहा, जिसमें बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास एवं अभिभावकों की सकारात्मक सहभागिता ने सभी का मन मोह लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ न्यूरोसर्जन एवं सेरेब्रल पाल्सी विशेषज्ञ डॉ. अनिरुद्ध के पुरोहित हैदराबाद ने कहा कि सेरेब्रल पाल्सी कोई बीमारी नहीं बल्कि एक न्यूरो-डेवलपमेंटल स्थिति है, जिसमें सही समय पर उपचार, नियमित थैरेपी, सकारात्मक वातावरण एवं अभिभावकों के धैर्यपूर्ण सहयोग से बच्चों की क्षमताओं में आश्चर्यजनक सुधार संभव है।

उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन बच्चों के मानसिक और भावनात्मक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं क्योंकि इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है और सामाजिक जुड़ाव मजबूत होता है। डॉ. पुरोहित ने अभिभावकों को यह भी समझाया कि निरंतर अभ्यास, प्यार और वैज्ञानिक दृष्टिकोण बच्चों के भविष्य को बेहतर बनाने की कुंजी है।

कार्यक्रम के अंतर्गत पिकनिक, खेलकूद, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ एवं पारंपरिक बाटी-चोखा भोज का आयोजन किया गया। खेल गतिविधियों में अभिभावकों ने खो-खो, रस्सा कसी, लेमन रेस जैसे खेलों में उत्साहपूर्वक भाग लिया गया, जबकि बच्चों द्वारा पासिंग पिलो, क्रॉल जलेबी रेस सहित विभिन्न रोचक एवं क्षमतावर्धक खेलों में सहभागिता की गई।

संस्था के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जैन ने कहा कि हर बच्चा विशेष क्षमताओं के साथ जन्म लेता है और आवश्यकता केवल उन्हें पहचानने एवं सही दिशा देने की होती है। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों की तुलना दूसरों से ना करें, बल्कि उनकी छोटी-छोटी उपलब्धियों को भी उत्सव की तरह मनाएं। डॉ. जैन ने यह भी कहा कि समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है कि दिव्य बच्चों को सहानुभूति नहीं बल्कि सम्मान, अवसर और आत्मनिर्भरता प्रदान की जाए। सभी खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को संस्था के अध्यक्ष डॉ. जितेंद्र जैन, सचिव वरिदमाला जैन एवं मुख्य अतिथि डॉ. अनिरुद्ध के. पुरोहित ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया । सचिव वरिदमाला जैन ने संस्था की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए अभिभावकों को निरंतर सहयोग का आश्वासन दिया।

सम्पादकीय

खालिद के समर्थन में उतर कर मामदानी का खतरनाक खेल

न्यूयार्क के मेयर जोहरान मामदानी की ओर से भारत में तिहाड़ जेल में बंद उमर खालिद को भेजे गए एक पत्र ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नया विवाद खड़ा कर दिया है। हम आपको बता दें कि यह पत्र उमर खालिद के माता पिता से मुलाकात के दौरान दिया गया और इसमें मामदानी ने खालिद के विचारों की तारीफ करते हुए लिखा कि वे उनके बारे में सोच रहे हैं। उल्लेखनीय है कि उमर खालिद पर वर्ष 2020 के दिल्ली दंगों से जुड़े गंभीर आरोपों की सुनवाई चल रही है।

इस पत्र के सामने आने के बाद भारत में तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिली है। आलोचकों का कहना है कि किसी विदेशी शहर के मेयर द्वारा भारत के एक संवेदनशील कानूनी मामले में पक्ष लेना अनुचित है। खासकर तब, जब मामला दंगों और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा हो। हम आपको याद दिला दें कि उमर खालिद पर गैरकानूनी गतिविधि निरोधक कानून के तहत आरोप हैं और वह न्यायिक प्रक्रिया के अधीन है। ऐसे में किसी विदेशी जनप्रतिनिधि की ओर से सहानुभूति और प्रशंसा का सार्वजनिक संकेत कई सवाल खड़े करता है।

हम आपको बता दें कि मामदानी के पत्र को सिर्फ एक व्यक्तिगत संदेश नहीं माना जा रहा है बल्कि इसे एक राजनीतिक संकेत के रूप में देखा जा रहा है। भारत और अमेरिका के संबंधों के संदर्भ में भी इस कदम को असहज माना गया है। भारत में यह तर्क उभरा है कि यदि हर देश का स्थानीय नेता दूसरे देश के न्यायिक मामलों पर टिप्पणी करने लगे तो संप्रभुता और संस्थागत सम्मान पर आंच आएगी।

देखा जाये तो जोहरान मामदानी का यह कदम साफ तौर पर भारत के आंतरिक मामलों में दखल है। सवाल सीधा है। सवाल उठता है कि न्यूयार्क के मेयर को यह अधिकार किसने दिया कि वह भारत के दंगों से जुड़े एक आरोपी की तारीफ करे और उसे नैतिक समर्थन दे। मामदानी को समझना होगा कि भारत की न्याय व्यवस्था सक्षम है, संवैधानिक है और अपने फैसले खुद लेने में समर्थ है।

उमर खालिद कोई साधारण सामाजिक कार्यकर्ता नहीं है, बल्कि उस पर दिल्ली दंगों की साजिश में शामिल होने के गंभीर आरोप हैं। ऐसे व्यक्ति को वैश्विक मंच से नैतिक समर्थन देना न केवल भारत के लिए गलत है, बल्कि यह एक खतरनाक परंपरा को जन्म देता है। इससे यह संदेश जाता है कि दंगों और हिंसा से जुड़े आरोपों को वैचारिक खोल पहनाकर महिमामंडित किया जा सकता है। यह संदेश उन तत्वों के लिए संजीवनी का काम करता है जो अराजकता और टकराव की राजनीति में विश्वास रखते हैं।

मामदानी को यह समझना चाहिए था कि भारत का आंतरिक कानून और व्यवस्था किसी विदेशी राजनेता की राय का मोहताज नहीं। यदि उन्हें मानवाधिकार की इतनी ही चिंता है, तो उन्हें अपने देश में चल रही हिंसा, नस्लीय तनाव और अपराध की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए। भारत में न्याय की प्रक्रिया अदालतों के माध्यम से चलती है, न कि सोशल संदेशों और पत्रों के जरिये।

इस तरह का समर्थन सिर्फ भारत में ही नहीं, अमेरिका में भी गलत असर डाल सकता है। जब वहां के नेता दंगों के आरोपी की तारीफ करते हैं, तो यह वहां मौजूद कट्टर और हिंसक विचारधारा के लोगों का हौसला बढ़ाता है। वे इसे यह कहकर पेश कर सकते हैं कि उनके विचारों को वैश्विक मान्यता मिल रही है। यह लोकतंत्र के लिए घातक संकेत है। लोकतंत्र का अर्थ कानून का शासन है, न कि आरोपियों का महिमामंडन।

यह भी याद रखना जरूरी है कि भारत और अमेरिका दोनों ही लोकतांत्रिक देश हैं। लोकतंत्र की बुनियाद एक दूसरे की संस्थाओं के सम्मान पर टिकी होती है। जब कोई विदेशी नेता भारत की न्यायिक प्रक्रिया पर सवाल खड़े करता है या एक पक्ष को नैतिक ऊंचाई पर बैठाने की कोशिश करता है, तो यह आपसी विश्वास को चोट पहुंचाता है। यह न तो कूटनीतिक मर्यादा के अनुरूप है और न ही जिम्मेदार राजनीति का उदाहरण।

मामदानी का पत्र उन तमाम भारतीय नागरिकों की भावनाओं का भी अपमान है जिन्होंने दिल्ली दंगों में अपने परिजन खोए, जिनकी दुकाने जलीं और जिनका जीवन तबाह हुआ। उनके लिए दंगे कोई वैचारिक बहस नहीं, बल्कि एक कड़वी सच्चाई है। ऐसे में दंगों के मास्टरमाइंड की तारीफ करना घावों पर नमक छिड़कने जैसा है।

भारत को किसी से प्रमाण पत्र की जरूरत नहीं कि वह लोकतांत्रिक है या न्यायप्रिय। यहां की अदालतें स्वतंत्र हैं और फैसले सबूतों के आधार पर होते हैं। यदि उमर खालिद निर्दोष है, तो वह अदालत से बरी होगा। यदि दोषी है, तो सजा पाएगा। इसमें किसी विदेशी मेयर के भावनात्मक पत्र की कोई भूमिका नहीं होनी चाहिए।

बहरहाल, इसमें कोई दो राय नहीं कि जोहरान मामदानी का यह कदम गैर जिम्मेदार, दखल देने वाला और भड़काऊ है। भारत के आंतरिक मामलों में इस तरह की बयानबाजी बंद होनी चाहिए।

खामोश कोहरा, जानलेवा खतरा सर्दियों में सड़कें क्यों बन जाती हैं मौत का जाल

कोहरा सड़क सुरक्षा को प्रभावित करने वाली सबसे भ्रामक और खतरनाक प्राकृतिक परिस्थितियों में से एक है। भारी वर्षा या तूफान की तरह कोहरा शोर या तीव्रता के साथ नहीं आता, बल्कि यह चुपचाप वातावरण को अपनी चादर में ढक लेता है। यह दृश्यता को अत्यधिक कम कर देता है, दूरी के आकलन में भ्रम पैदा करता है और मनुष्य की प्रतिक्रिया क्षमता को धीमा कर देता है। हर वर्ष, विशेषकर उत्तर भारत में सर्दी के महीनों के दौरान घना कोहरा राष्ट्रीय राजमार्गों, शहरी सड़कों और ग्रामीण मार्गों पर भीषण हादसों का कारण बनता है। कई वाहनों की एक साथ टक्कर, खड़े वाहनों से टकराव, तथा बसों, ट्रकों और निजी वाहनों से जुड़ी दुर्घटनाएं अब लगभग रोजमर्रा की बात हो गई हैं। ऐसे में कोहरे के दौरान सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना एक तकनीकी जरूरत बन चुकी है।

कोहरे से होने वाली दुर्घटनाओं के घातक होने का एक मुख्य कारण दृश्य संकेतों का अचानक गायब हो जाना है। चालक वाहन चलाते समय दूरी, गति और सड़क की दिशा का अनुमान लगाने के लिए मुख्य रूप से अपनी दृष्टि पर निर्भर रहता है। जब कोहरे के कारण दृश्यता कुछ मीटर तक सीमित हो जाती है, तो अनुभवी चालक भी समय पर प्रतिक्रिया देने में असमर्थ हो जाते हैं। राष्ट्रीय राजमार्गों पर तेज गति से चलने वाले वाहन अक्सर धीमी गति से चल रहे या सड़क किनारे खड़े वाहनों, अवरोधकों या पैदल यात्रियों से टकरा जाते हैं। ऐसी सूरत में पीछे से आने वाले चालक आगे की स्थिति को समय रहते नहीं देख पाते, जिससे शृंखलाबद्ध टक्कर होती हैं। रात के समय यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है, जब अंधेरा और कोहरा मिलकर वाहनों की साधारण रोशनी को निष्प्रभावी बना देते हैं और कई बार प्रकाश का परावर्तन दृश्यता को और खराब कर देता है।

इस संकट में तकनीकी कमियां भी हादसों के लिए जिम्मेदार हैं। कई राष्ट्रीय राजमार्गों सहित देश की अधिकांश सड़कों पर दृश्यता बढ़ाने वाली आधुनिक संरचनाओं का अभाव है। सड़क पर बनी परावर्तक रेखाएं उचित रखरखाव के अभाव में जल्दी फीकी पड़ जाती हैं। संकेतक बोर्ड या तो परावर्तक नहीं होते या धूल, मिट्टी और झाड़ियों से ढके रहते हैं। हालांकि, नियमों के अनुसार वाहनों में 'फाग लैंप' होना चाहिए, लेकिन बड़ी संख्या में वाहनों में ये या तो लगे नहीं होते या काम नहीं करते हैं। जहां तकनीक उपलब्ध है, वहां भी उसका प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित निगरानी और चालकों में जागरूकता की भारी कमी देखने को मिलती है। उपलब्ध समाधानों और जमीनी हकीकत के बीच की यही खाई लगातार लोगों की जान ले रही है।

आधुनिक तकनीक कोहरे से जुड़े जोखिमों को कम करने के लिए कई प्रभावी उपाय प्रदान करती है। 'इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्टेशन सिस्टम' (आइटीएस) इस दिशा में क्रांतिकारी भूमिका निभा सकता है। ये प्रणालियां सेंसर, कैमरे और वास्तविक समय के आंकड़ों की सहायता से मौसम तथा यातायात की स्थिति पर लगातार निगरानी रखती हैं। परिवर्तनीय संदेश संकेतक बोर्ड चालकों को आगे कोहरे की तीव्रता की जानकारी दे सकते हैं, गति कम करने की सलाह दे सकते हैं और दुर्घटना या जाम की चेतावनी भी दे सकते हैं। विकसित देशों में व्यस्ततम राजमार्गों पर कोहरे की सघनता का पता लगाने वाले सेंसर लगाए गए हैं, जो अपने आप चेतावनी संकेत सक्रिय कर देते हैं और वाहनों की गति सीमा को समायोजित कर देते हैं। यदि भारत के कोहरा-प्रभावित राजमार्गों पर ऐसी प्रणालियां स्थापित की जाएं, तो दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी लाई जा सकती है।

वाहन-आधारित तकनीकें भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हैं। 'एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम' जैसे- स्वतः आपातकालीन ब्रेकिंग, लेन से बाहर जाने की चेतावनी और अनुकूल क्रूज कंट्रोल, कम दृश्यता और धीमी मानवीय प्रतिक्रिया की भरपाई कर सकते हैं। इंफ्रा-रेड कैमरे और थर्मल इमेजिंग प्रणाली दृश्य सीमा से परे बाधाओं और जीवित प्राणियों का संकेत दे सकती हैं। सड़क की रूपरेखा और आधारभूत संरचना को भी जलवायु की वास्तविकताओं के अनुरूप विकसित करना होगा।

राजमार्गों की योजना बनाते समय कोहरा-प्रवण क्षेत्रों को विशेष ध्यान में रखना आवश्यक है। उचित जल निकासी, सड़क किनारे परावर्तक संकेत, प्रकाशित लेन चिह्न और 'रंबल स्ट्रिप्स' कम दृश्यता में भी चालकों को साफ संकेत प्रदान कर सकते हैं। सौर ऊर्जा से चलने वाले एलईडी स्टड कोहरा भरी रातों में लेन और मोड़ों को स्पष्ट रूप से दर्शा सकते हैं। ओवरब्रिज, अंडरपास और दुर्घटना-प्रवण हिस्सों पर बेहतर रोशनी तथा स्पष्ट संकेतक अनिवार्य होने चाहिए।

मानवीय व्यवहार इस पूरी समस्या में निर्णायक भूमिका निभाता है। कई चालक कोहरे में भी असुरक्षित गति से वाहन चलाते हैं। चालक प्रशिक्षण कार्यक्रमों में कोहरे में सुरक्षित ड्राइविंग की विशेष तकनीकों पर जोर दिया जाना चाहिए। अवैध रूप से खड़े वाहन, सड़क किनारे अतिक्रमण और अनधिकृत ढाबे अचानक रुकावटें पैदा करते हैं और कोहरे में जानलेवा साबित होते हैं।

जन-जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता भी उतनी ही आवश्यक है। सड़क सुरक्षा केवल सरकार की नहीं, बल्कि साझा जिम्मेदारी है। यात्रा से पहले मौसम की जानकारी लेना, घने कोहरे में अनावश्यक रात्रि यात्रा से बचना और वाहन की तकनीकी स्थिति सुनिश्चित करना कई जिंदगियां बचा सकता है। कोहरे से होने वाली सड़क दुर्घटनाएं प्रकृति की देन नहीं, बल्कि तकनीकी कमी, कमजोर योजना, ढीले प्रवर्तन और जागरूकता के अभाव का परिणाम हैं।

'हम समझते हैं' कह देना आसान है, लेकिन क्या कोई सच में किसी का दुख समझ पाता है?

कई बार लोग कहते हैं कि हम आपको समझते हैंष्ठ आपकी पीड़ा, आपके दुख और तकलीफ, भावनाओं को समझते हैं। ऐसे शब्द अक्सर सुनने को मिल जाते हैं। कई बार हमारे बहुत करीबी, रिश्ते-नातेदार अपनी निकटता दिखाने के लिए कहते हैं कि हम आपके दुख, आपकी पीड़ा को समझते हैं। उनका यह कहना वास्तव में मात्र जुबानी जमा खर्च होता है, जिसे कोई भी किसी को सांत्वना देने के लिए आमतौर पर औपचारिकता निभाने की खातिर कह देता है। हालांकि ऐसा कहना एक तरह की कठोरता है, लेकिन ज्यादातर मामलों में सच यही है।

अगर हम एक इंसान के रूप में थोड़े-से संवेदनशील हैं, तो हम किसी के दुख के प्रति भावुक हो सकते हैं। हो सकता है कि उसके दुख से हम थोड़े बहुत दुखी भी हो जाएं, पर पूरी तरह किसी के दुख, पीड़ा, मर्म को समझ पाना लगभग असंभव है। एक हद तक अगर संभव है भी, तो यह तब हो पाता है, जब कोई व्यक्ति खुद उसी के बराबर की पीड़ा से गुजरा होता है।

किसी को समझना और किसी की पीड़ा की गहराई में उतरना क्या आसान है? इंसान का दुख एक अंधेरे गहरे कुएं की तरह होता है। उस अंधेरे और गहराई में कितनी तहें हैं, यह कोई नहीं जानता है। बाहर से देखने पर कुछ और लगता है और अंदर उतरने पर कुछ और भी हो सकता है। और जब कोई चीज दिखाई ही नहीं दे रही, तो हम सिर्फ अंदाजा लगा सकते हैं, सौ फीसद क्या है, यह हम नहीं बता सकते।

ऐसा भी नहीं है कि हम किसी के दुख के कुएं में कूद जाएं। जाने के लिए भावनाओं की एक पूरी नदी पार करनी पड़ती है। अपनत्व की सीढ़ी बनानी पड़ती है। संवेदना से अपनी हृदय-भूमि को सिंचित करना पड़ता है। उसके बाद एक-एक सीढ़ी उतरना पड़ता है। वह भी बेहद संभल-संभल कर, तब जाकर कहीं नीचे तक हम पहुंचने की राह मिल पाती है। अगर हम जरा भी जल्दबाजी और अनमनापन दिखाते हैं, तो आधे रास्ते से वह सीढ़ियां गायब हो जा सकती हैं और वहीं से हमें वापस आना पड़ जा सकता है।

जुबान भले ही कुछ भी कहे, लेकिन वास्तव में देखा जाए, तो ऐसा बिल्कुल भी संभव नहीं है कि कोई किसी की पीड़ा को पूरी तरह से समझ ले। जिस रूप में व्यक्ति पीड़ा को भोग रहा है, उसी रूप में, उन्हीं भावनाओं के साथ कोई महसूस कर ले। क्या यह संभव है? अपने पांव पर चलने वाला पूरी तरह स्वस्थ इंसान साल भर से बिस्तर पर अशक्त रूप से पड़े हुए किसी इंसान के मन के दुख को किस तरह समझ सकता है।

पूरी तरह स्वस्थ तो छोड़ दिया जाए, जो उस अवस्था से गुजर रहा है, वह व्यक्ति भी उस व्यक्ति की पीड़ा को सौ फीसद नहीं समझ सकता है, क्योंकि हो सकता है कि दोनों की परिस्थितियां अलग हों। हम किसी की पीड़ा का मात्र कुछ अंश ही समझ सकते हैं, पूरी तरह समझना असंभव है, क्योंकि जो व्यक्ति पीड़ा भोग रहा है, वह पूरे समय इस दुख में जीता है।

और जो व्यक्ति समझने का दावा कर रहा है कि उसकी पीड़ा को समझ रहा है, वह मात्र उस व्यक्ति के समंदर-से दुख के मात्र एक कतरे को समझने का प्रयास कर रहा है। यह कतई संभव नहीं है कि हम एक पूरी किताब को एक पन्ना पढ़कर समझ जाएं। किसी के दुख को पूरी तरह या पर्याप्त गहराई के साथ समझने के लिए उस किताब को पूरा पढ़ना पड़ेगा।

उसी परिस्थिति में पढ़ना पड़ेगा और उसी अवस्था, भावना में पढ़ना पड़ेगा और उतना ही समय लेना पड़ेगा। तब जाकर हो सकता है कि कहीं हम किसी व्यक्ति की पीड़ा की तहों में पहुंच पाएं।

इसीलिए यह संभव नहीं है कि हम कितने भी संवेदनशील व्यक्ति हों, किसी के दुख को समझ सकते हैं। दुख-सुख दरअसल परिस्थिति, भावनाओं, अपनों के व्यवहार के अलावा भी बहुत सारी बातों के साथ मिलकर संगति करता है। एक पति-पत्नी बरसों साथ रहते हैं। एक खुशहाल परिवार के रूप में रहते हैं, लेकिन यह जरूरी नहीं है कि दोनों एक दूसरे की पीड़ा को पूरी तरह समझते हों।

अक्सर हम लोगों को उतना ही समझते हैं, जितनी हमें आवश्यकता होती है। उसके बाद अन्यथा के रूप में छोड़ देते हैं। हर इंसान को हर रिश्ते में सबसे बड़ा दुख या फिर शिकायत यही होती है कि सामने वाला हमें समझ नहीं रहा है। इसलिए जितना जल्दी हो सके, अपने आप को यह बात समझा लेना चाहिए कि हमारे दुख को सौ फीसद कोई नहीं समझ सकता, क्योंकि बहुत बार हम खुद नहीं समझ सकते हैं कि हम क्या चाहते हैं, क्योंकि दुख भी रूप बदलता रहता है।

यों भी, यह हम दूसरों से कैसे अपेक्षा कर सकते हैं कि दूसरा एकदम हमारे मन के अनुरूप हमारी बात, भावना, पीड़ा को समझ पाएगा। अगर कोई हमारी बातों को, भावनाओं को कुछ हद तक भी समझ जाता है, तो यह मान लेना चाहिए कि उस व्यक्ति को हमारी परवाह, हमसे लगाव और प्रेम है।

उसे रिश्ते को प्रसन्नता के साथ जीने का प्रयास करना चाहिए। किसी की भावना, पीड़ा या दुख, किसी की समझ, सोच को समझना दरअसल एक जटिल, बेहद थकाने वाला काम है। भागती-दौड़ती इस दुनिया में यह उम्मीद करने की जरूरत नहीं है कि कोई हमें पूरी तरह समझ पाएगा, क्योंकि यह उम्मीद पालना ही एक नए दुख को जन्म दे देगा। और मन में कड़वाहट उपजेगा, वह अलग दुख होगा। थोड़े को ही पूरा मानना हमें सहज और सरल बनाएगा, जो सुखी मन से जीने के लिए जरूरी है।

वेनेजुएला पर अमेरिकी हमले से उठा सवाल

क्या ट्रंप ने अंतरराष्ट्रीय कानूनों को ताक पर रख दिया है?

अमेरिका ने वेनेजुएला पर सैन्य आक्रमण कर उसके राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को गिरफ्तार करने का दावा किया है। यह अंतरराष्ट्रीय जगत में एक संवेदनशील और ऐतिहासिक घटनाक्रम है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की है कि अमेरिका ने वेनेजुएला के खिलाफ बड़े पैमाने पर हवाई और सैन्य हमले किये हैं। ट्रंप ने कहा है कि मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में लिया गया है तथा देश से निकाल दिया गया है और वे अगली कानूनी प्रक्रिया के लिये अमेरिका ले जाये गये हैं। इस कार्रवाई को ट्रंप ने अपनी योजना के मुताबिक सफल बताया है तथा इसे वेनेजुएला में लोकतंत्र की बहाली की दिशा में एक निर्णायक कदम बताया है। हालांकि हमले के विवरण और ठोस प्रमाण अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं कराये गये हैं।

वहीं वेनेजुएला सरकार ने इसे अमेरिकी सैन्य आक्रमण तथा आंतरिक संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। साथ ही वेनेजुएला में राष्ट्रीय आपातकाल की घोषणा की गयी है तथा नागरिकों से व्यापक विरोध और प्रतिरोध की अपील की गयी है। इस बीच, विश्व समुदाय के कई देश इस घटना पर प्रतिक्रिया दे रहे हैं, कुछ ने इसे कूटनीति की आवश्यकता बताया है जबकि रूस, चीन तथा अन्य ने कड़ी निंदा की है।

देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वेनेजुएला पर की गयी सैन्य कार्रवाई तथा एक संप्रभु राष्ट्र के राष्ट्रपति की गिरफ्तारी का दावा विश्व व्यवस्था के लिये एक भयंकर झटका है। यह केवल एक सैन्य और राजनीतिक घटना नहीं है बल्कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटनीति और विश्वशांति के मूल सिद्धांतों पर सीधा प्रहार है। जब किसी देश का नेता बिना संयुक्त राष्ट्र के अनुरोध, बिना स्पष्ट अंतरराष्ट्रीय विधिक अधिकरण के निर्देश और बिना अन्तरराष्ट्रीय समुदाय की सहमति के किसी दूसरे देश में सैन्य हस्तक्षेप कर उसके सर्वोच्च नागरिक नेतृत्व को हटा देता है तो यह कृत्य न केवल उन मूलभूत मानकों का उल्लंघन है जिन पर आधुनिक विश्व राजनीति टिकी हुई है बल्कि यह नए वैश्विक संकटों के लिये एक मिसाल भी स्थापित करता है।

पहला सवाल यह है कि क्या ट्रंप का कदम जायज है? क्या ऐसा किसी भी न्यायिक या राजनीतिक मानक पर सही ठहराया जा सकता है? देखा जाये तो संप्रभुता किसी भी वैश्विक समझ का मूल आधार है और किसी भी देश की आंतरिक व्यवस्थाओं के प्रति बाहरी हस्तक्षेप को तभी वैध ठहराया जा सकता है जब वह संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के भीतर व्यापक बहुमत द्वारा अनुमोदित हो या जब प्रत्यक्ष एवं सुनिश्चित मानवाधिकार संकट हो। नरसंहार या बड़े पैमाने पर युद्ध अपराध की स्थितियों में अंतरराष्ट्रीय समुदाय से ऐसी स्वीकृति मिल सकती है लेकिन वेनेजुएला में ऐसे कोई हालात नहीं थे। वेनेजुएला की परिस्थिति चाहे जितनी भी विवादास्पद और जटिल रही हो, अमेरिका का यह एकतरफा सैन्य निर्णय अंतरराष्ट्रीय क़ानून तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांतों के सीधे विपरीत है। इसे केवल एक देश के भीतर मानवीय संकट या राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के समाधान के रूप में पेश करना नास्तिकता के समान है। ट्रंप प्रशासन के पास यदि मादुरो के खिलाफ वाकई मजबूत सबूत थे तो उन्हें अंतरराष्ट्रीय न्यायालय या किसी बहुपक्षीय मंच पर प्रस्तुत किया जाना चाहिये था न कि अपने देश की सैन्य ताकत का उपयोग कर सीधे हस्तक्षेप करना चाहिए था।

दूसरा सवाल यह है कि क्या कूटनीति की दुनिया में इस कदम को उचित कहा जा सकता है? देखा जाये तो कूटनीति वैचारिक मतभेदों, राजनीतिक तनावों तथा सत्ता के संघर्षों को बातचीत, समझौते और मध्यस्थता के ज़रिये सुलझाने की कला है। कूटनीति कभी प्रत्यक्ष हिंसात्मक उपायों को प्रोत्साहित नहीं करती। यदि अमेरिका को वास्तव में वेनेजुएला की वर्तमान प्रणाली में विसंगतियाँ और समस्यायें दिखतीं थीं तो उसके लिये संयुक्त राष्ट्र, ओएएस या किसी अन्य बहुपक्षीय संगठन के साथ मिलकर दबाव बनाना अधिक न्यायोचित और प्रभावी विकल्प होता। इसलिए ट्रंप प्रशासन का यह कदम कूटनीति की भावना का उल्लंघन है और यह उन सभी प्रयासों को भी बेअसर करता है जो शांति, संयम और सामूहिक समाधान की ओर इंगित करते हैं। जब राजनयिक रास्ता खुला रहता है तो हवाई हमले, बमबारी और अस्थिरता फैलाने वाले कदम किसी भी सभ्य कूटनीतिक प्रणाली का अंग नहीं बन सकते।

अब तीसरा सवाल यह है कि आगे वेनेजुएला का क्या होगा? देखा जाये तो उस देश का एक अस्थिर भविष्य बेहद संभावित है। हिंसात्मक कार्रवाई के परिणामस्वरूप वेनेजुएला के भीतर सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिस्थितियाँ और भी भयावह हो सकती हैं। यह देश पहले ही आर्थिक मंदी, मुद्रास्फीति तथा सामाजिक असंतोष का शिकार है, ऐसे में एक बाहरी सैन्य हमले से जनता का मनोबल गिर सकता है, नागरिक प्रतिरोध भड़क सकता है तथा आंतरिक संघर्ष और अधिक गहरा हो सकता है। इसके अलावा यह कदम लैटिन अमेरिका में क्षेत्रीय स्थिरता को भी दहला सकता है और पड़ोसी देशों को संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबद्धता पर पुनर्विचार करने को मजबूर कर सकता है।

चौथा सवाल अंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रभावों से संबंधित है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की यह नीति, वैश्विक सामरिक संतुलन पर लंबी अवधि में गंभीर प्रभाव डाल सकती है। ट्रंप द्वारा ईरान के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करते हुए धमकी देना और अब वेनेजुएला पर प्रत्यक्ष सैन्य हस्तक्षेप जैसे कदम यह संकेत देते हैं कि अमेरिका एक ऐसा वैश्विक प्रहरी बनने की इच्छा रखता है जो अपने हितों को थोपने के लिये सैन्य बल का उपयोग करता है यह विश्व को दोध्रुवीकृत कर सकता है। निश्चित ही यह सब अमेरिका की विरोधी शक्तियों को एकजुट करने का काम करेगा। रूस, चीन और अन्य राष्ट्र पहले ही अमेरिका के इस कदम की निंदा कर चुके हैं तथा इसे सामरिक आक्रमण बता रहे हैं। देखा जाये तो वैश्विक सुरक्षा तंत्र पहले से ही तनावों और विभाजनों से जूझ रहा है, ऐसे में एक प्रमुख सुपरपावर द्वारा एक संप्रभु राष्ट्र के खिलाफ हमला करना वैश्विक शासन और सहयोग के लिये एक गंभीर प्रश्न छोड़ता है।

देखा जाये तो अंतरराष्ट्रीय न्याय और मानवाधिकार का सम्मान केवल शब्दों में नहीं होना चाहिए बल्कि उसे कार्यनीतिक फैसलों और कार्रवाईयों में भी प्राथमिकता दी जानी चाहिये। एक अनियंत्रित और एकतरफा सैन्य कार्रवाई का समर्थन करना दीर्घकालीन वैश्विक स्थिरता, शांति तथा न्याय की भावना के खिलाफ होगा। ट्रंप के इस निर्णय ने यह स्पष्ट कर दिया है कि मनमाने ढंग से सेना, हथियार तथा सैन्य बल की धमकी का प्रयोग अंतरराष्ट्रीय कूटनीति और सहयोग को कमजोर करता है तथा विश्व समुदाय के विश्वास को तोड़ता है। इसलिए वर्तमान परिस्थिति में वैश्विक समुदाय को संयम, संवाद और न्यायिक प्रक्रिया की ओर लौटना चाहिए तभी हम एक बेहतर, अधिक सुरक्षित और अधिक न्यायसंगत विश्व की कल्पना कर सकते हैं।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत दिलाई गई शपथ

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। महिला कल्याण विभाग एवं उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य की अध्यक्षता में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत रविवार को खमरिया, विकास खण्ड औराई में बाल विवाह रोकथाम को लेकर शपथ ग्रहण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोगों को चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 के साथ-साथ विभागीय कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया। इस अवसर पर आनंद मौर्या, शिव शंकर मौर्या, जिला प्रोवेशन अधिकारी शत्रुध्न कनोजिया, उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की सदस्य प्रतिभा कुशवाहा, जिला प्रोवेशन कार्यालय से राजकुमार गुप्ता सहित बड़ी संख्या में महिला, पुरुष, बालक एवं बालिकाओं ने बाल विवाह न करने और न होने देने की शपथ ली।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बाल विवाह सामाजिक अपराध है और इसके उन्मूलन के लिए समाज के हर वर्ग की सहभागिता आवश्यक है। उपस्थित लोगों ने अभियान को सफल बनाने का संकल्प लिया।

साइकिल यात्रियों ने दिया स्वच्छ भारत और स्वस्थ भारत का संदेश

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पर्यावरण संरक्षण और स्वास्थ्य के प्रति जन-जागरूकता को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचाने के उद्देश्य से भदोही साइकिलिंग क्लब की ओर से रविवार को एक साइकिल यात्रा निकाली गई, जिसने लोगों को स्वच्छता और स्वस्थ जीवन का संदेश दिया। साइकिल यात्रा का शुभारंभ राष्ट्रीय राजमार्ग बड़ा चौराहा से हुआ, जिसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोपीगंज के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. आशीष गुप्ता, डॉ. एस.एस. यादव और डॉ. आर.के. बिंद ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

साइकिल यात्रा बड़ा चौराहा से चलकर शहीद तिराहा, कांजी हाउस होते हुए पूरेटिका पहुँची, जहाँ समाजसेवी मकसूद अहमद खान के आवास पर प्रतिभागियों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर मकसूद अहमद खान ने कहा कि युवा राष्ट्र के विकास, प्रगति और भविष्य की सबसे महत्वपूर्ण एवं ऊर्जावान शक्ति हैं, और ऐसे अभियान समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य करते हैं।

यात्रा के दौरान साइकिल सवारों ने पूरेटिका व आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए 'वृक्ष लगाओ', 'भारत माता की जय', 'वंदे मातरम' जैसे नारों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। साइकिल यात्रा का समापन मेवड़ापुर में समाजसेवी अब्दुल गफ्फार अंसारी के आवास पर हुआ।

इस जन-जागरूकता अभियान में अजहान खान, राम श्रंगार चौधरी, प्रवीण श्रीवास्तव, प्रमोद मौर्य, सरफराज अहमद, राजीव जायसवाल, पंकज सिंह सहित बड़ी संख्या में युवाओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

नगर पंचायत अध्यक्ष सुरियावा द्वारा किया गया क्रिकेट प्रतियोगिता का उद्घाटन

मंत्र भारत संवाददाता

सुरियावा। नगर पंचायत अध्यक्ष सुरियावा विनय चौरसिया द्वारा दुर्गागंज विकास क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत सराय कंसरायबजहाडीह में क्रिकेट प्रतियोगिता मैच का फीता काटकर उद्घाटन किया तथा उद्घाटन मैच गोपीपुर बनाम पांडेपुर के बीच हुआ जिसमें पांडेपुर की टीम विजई हुई इस मौके पर उन्होंने कहा कि खेल हमारे जीवन का महत्वपूर्ण अंग है खेल से शारीरिक एवं मानसिक विकास होता है तथा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को निखारने का मौका मिलता है हमारे क्षेत्र के तमाम ऐसे युवा प्रतिभावान खिलाड़ी आज देश प्रदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं इस मैच के आयोजक अंतिम तिवारी विपिन पांडे मौके पर पप्पू वर्मा विक्की सिंह बघेल गणेश जायसवाल पंजाबी मोदनवाल अंकित तिवारी अमित पांडे भूपेंद्र उपाध्याय तथा क्षेत्र के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

विश्वनाथपुर के मामले में कार्रवाई को लेकर ब्राह्मण समाज में आक्रोश, संगठन ने दिया अल्टीमेटम

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। चार दिन पूर्व एक ब्राह्मण परिवार के घर में घुसकर मारपीट व छिनैती की घटना के बाद भी आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से ब्राह्मण समाज में गहरा आक्रोश है। इसी को लेकर राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा भदोही की एक आपातकालीन बैठक विश्वनाथपुर गांव में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता संगठन के जिला अध्यक्ष पं. अम्बरीष तिवारी ने की।

बैठक में संगठन पदाधिकारियों ने प्रशासन पर गिरफ्तारी में हीलाहवाली का आरोप लगाते हुए कड़ी नाराजगी जताई। इस दौरान जिला अध्यक्ष ने सीओ ज्ञानपुर से फोन पर वार्ता कर दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की और संगठन की ओर से दो दिन का अल्टीमेटम दिया। चेतावनी दी गई कि यदि निर्धारित समय में गिरफ्तारी नहीं हुई तो मंगलवार सुबह 10 बजे एसपी कार्यालय ज्ञानपुर पर अनिश्चितकालीन धरना दिया जाएगा।

सीओ ज्ञानपुर ने बैठक में शामिल लोगों को आश्वस्त किया कि किसी भी सूरत में दोषियों की गिरफ्तारी आज ही सुनिश्चित की जाएगी। वहीं जिला अध्यक्ष अम्बरीष तिवारी ने कहा कि यदि ब्राह्मण समाज अपने सम्मान और सुरक्षा के लिए संगठित नहीं हुआ तो ऐसी घटनाएं बढ़ेंगी और पूरे समाज को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने सरकार से मामले को गंभीरता से लेने की मांग की।

बैठक में विकास मिश्रा, भरत मिश्रा, रोहित तिवारी, अजय पोहिला, महेश तिवारी, हरि कृष्णा तिवारी सहित बड़ी संख्या में ब्राह्मण समाज के बुजुर्ग व युवा उपस्थित रहे और एकजुट होकर कार्रवाई की मांग दोहराई।

कुष्ठ रोगियों की बस्ती में जिपं सदस्य ने जरूरतमंदों में वितरित किया कंबल

भदोही। जिला पंचायत सदस्य चंद्रभूषण त्रिपाठी ने भदोही विकासखण्ड के पिपरिस गाँव स्थित कुष्ठ रोगियों की बस्ती में कड़ाके की ठंड को देखते हुए 65 कंबलों का वितरण किया। इस मानवीय पहल से बस्ती में रहने वाले जरूरतमंद परिवारों को ठंड से राहत मिली।

कंबल वितरण कार्यक्रम के दौरान ग्राम प्रधान, पूर्व ग्राम प्रधान सहित गाँव के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य चंद्रभूषण त्रिपाठी ने कहा कि 'समाज के कमजोर, वंचित और उपेक्षित वर्ग की सेवा करना ही जनप्रतिनिधि का मूल कर्तव्य है। ठंड के मौसम में कोई भी व्यक्ति परेशानी में न रहे, इसके लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। आगे भी जरूरतमंदों के लिए ऐसे सेवा कार्य जारी रहेंगे।'

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप जनकल्याणकारी कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है और समाज के अंतिम पायदान पर खड़े लोगों तक सहायता पहुँचाना उनका उद्देश्य है। कार्यक्रम के अंत में ग्रामीणों एवं लाभार्थियों ने इस सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और इस पहल की सराहना की।

अखिल भारतीय मंगलाकारी किन्नर समाज का राष्ट्रीय सम्मेलन, भव्य जुलूस ने बांधा समां

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। अखिल भारतीय मंगलाकारी किन्नर समाज का राष्ट्रीय सम्मेलन इस वर्ष भी औराई में भव्यता और उल्लास के साथ आयोजित किया गया। किन्नर समाज की जानी-मानी हस्ती रीना नायक किन्नर के नेतृत्व में संपन्न हुए इस सम्मेलन ने क्षेत्र में सामाजिक एकता और सांस्कृतिक समरसता का संदेश दिया। सम्मेलन के उपलक्ष्य में किन्नर समाज की ओर से विशाल व आकर्षक जुलूस निकाला गया, जो लोगों के आकर्षण का केंद्र बना रहा।

जुलूस की शुरुआत समृद्धि लॉन, औराई से हुई, जो औराई चौराहा, घोसिया, स्टेट बैंक, सराफा मार्केट से होते हुए वार्ड संख्या 10 स्थित हिजड़ा मोहल्ला चौक पहुँचा। यहां समाज के गुरु हाजी गुलबदन किन्नर के चौक पर श्रद्धा के साथ ठहराव किया गया। इसके बाद जुलूस मेन मार्केट और सदर रोड होते हुए पुनः औराई लॉन पहुंचकर संपन्न हुआ।

रथ झांकी, डीजे की धुन और पारंपरिक गीत-संगीत के साथ निकले इस जुलूस ने पूरे नगर को उत्सवमय बना दिया। किन्नर समाज के सदस्य नाचते-गाते आगे बढ़ते रहे, वहीं मार्ग के दोनों ओर खड़े लोगों ने पुष्प वर्षा कर जुलूस का स्वागत किया।

इस अवसर पर रीना किन्नर, सोनी किन्नर, मीना नायक किन्नर, पिंकी नायक, बरखा नायक, बंटी नायक, इकबाल नायक किन्नर सहित समाज के कई प्रमुख लोग मौजूद रहे। वक्ताओं ने सम्मेलन को समाज की एकता, सम्मान और अधिकारों को मजबूती देने वाला बताया। आयोजकों के अनुसार ऐसे आयोजन किन्नर समाज को संगठित करने के साथ-साथ समाज में सकारात्मक सोच और भाईचारे का संदेश देते हैं। सम्मेलन के शांतिपूर्ण आयोजन से पूरे क्षेत्र में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला।

आजाद स्पोर्ट्स ने पीएमएस प्रयागराज को 7 विकेट से हराया

भदोही। सुरियावां क्षेत्र के महर्षि आजाद स्टेडियम मेढ़ी में आजाद स्पोर्ट्स क्लब की अण्डर-12 की टीम व पी एम एस क्रिकेट एकेडमी प्रयागराज की अण्डर-12 की टीम के बीच एक मैच खेला गया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पी एम एस क्रिकेट एकेडमी प्रयागराज की टीम निर्धारित 20 ओवर के मैच में 9 विकेट पर 149 रन बनाया। जिसमें आर्यन ने 30 रन, ध्रुव ने 23 रन व अध्ययन ने 21 रनों का योगदान किया। आजाद स्पोर्ट्स क्लब की तरफ से गेंदबाजी में एस पांडेय ने 3 विकेट, मोहित, सिद्धार्थ, पियूष बिंद, शिवम मिश्रा व विशाल ने 1-1 विकेट लिए। जबाब में उतरी आजाद स्पोर्ट्स क्लब की टीम ने 14 वे ओवर में तीन विकेट खोकर मैच जीत लिया। सिद्धार्थ सरोज ने 63 रन, शनि पाल ने 21 रन व एस राजपूत ने नाबाद 20 रनो का योगदान किया।इस तरह से आजाद स्पोर्ट्स अन्य ने 7 विकेट से मैच जीत लिया।

जनकल्याणकारी दिवस को लेकर बसपा की कार्यकर्ता बैठक सम्पन्न

भदोही।बहुजन समाज पार्टी के तत्वावधान में माता सावित्रीबाई फुले जयंती एवं पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के जन्मदिन कोजनकल्याणकारी दिवस के रूप में मनाने को लेकर रविवार को नेतानगर, सुरियावां में कार्यकर्ताओ की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पूर्व मंत्री कमलाशंकर भारती ने की, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में गुड्डू राम (मुख्य मंडल प्रभारी, मिर्जापुर) एवं विशिष्ट अतिथि लल्लू प्रसाद गौतम (मंडल प्रभारी) उपस्थित रहे। बैठक में जिलाध्यक्ष शिवनारायण गौतम, हरिशंकर उर्फ दादा चौहान (पूर्व लोकसभा/विधानसभा प्रत्याशी), सलाहुद्दीन अंसारी (जिला कोषाध्यक्ष), सुनील कुमार गौतम (जिला सचिव), डॉ. राजेश कुमार गौतम, रायचन्द गौतम, अमित गौतम, राधेश्याम बिन्द, मनोज कुमार गौतम, लछिमन गौतम सहित वरिष्ठ नेता, संयोजक, सेक्टर अध्यक्ष एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे, जहां जनकल्याणकारी दिवस को सफल बनाने तथा संगठन को मजबूत करने को लेकर चर्चा की गई।

रेड क्रॉस ने वृद्ध आश्रम में किया निःशुल्क नेत्र परीक्षण, 47 वृद्धों को मिलेंगे चश्मे

भदोही। इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी, भदोही शाखा की ओर से गोपीगंज स्थित वृद्ध आश्रम में रविवार को वृद्ध जनों के नेत्रों की जांच एवं उपचार का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान वृद्धों को आंखों से संबंधित स्वास्थ्य जानकारी दी गई तथा आवश्यक दवाएं भी निःशुल्क प्रदान की गईं। नेत्र परीक्षण में 47 वृद्धों को चश्मे की आवश्यकता पाई गई, जिन्हें रेड क्रॉस सोसाइटी भदोही शाखा की ओर से शीघ्र ही निःशुल्क चश्मे उपलब्ध कराए जाएंगे। इन चश्मों के लिए रेड क्रॉस के कई सदस्यों ने सहयोग किया है, जिनके योगदान से यह सेवा संभव हो पाई।

वृद्धों के नेत्रों की जांच डॉ. आलोक श्रीवास्तव ने की और आवश्यक उपचार व दवाएं दीं। इस अवसर पर रेड क्रॉस भदोही शाखा के सचिव डॉ. भारतेंदु द्विवेदी ने कहा कि वृद्धों की सेवा से संस्था को आत्मसंतोष मिलता है और चश्मे की सहायता से वे अब बेहतर ढंग से देख सकेंगे। उन्होंने कहा कि नेत्र ज्योति जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है।

कार्यक्रम के दौरान कोषाध्यक्ष हरेंद्र प्रताप सिंह ने सहयोग करने वाले सभी रेड क्रॉस सदस्यों के प्रति आभार व्यक्त किया, वहीं वृद्ध आश्रम के संयोजक प्रदोष पंडा ने रेड क्रॉस की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर मोहम्मद इरशाद खान, अरविंद भट्टाचार्य, सौरभ जायसवाल, डॉ. उर्मिला, माबूद खान, अभय श्रीवास्तव, संजय कुमार जायसवाल, विनोद कुमार गुप्ता सहित अन्य रेड क्रॉस सदस्य उपस्थित रहे। रेड क्रॉस सोसाइटी के इस सेवा कार्य से वृद्ध जनों के चेहरे पर प्रसन्नता साफ झलकती रही।

गंगासागर मेले में तीर्थयात्रियों के आने-जाने खाने-पिने और रहने की सुविधा निःशुल्क

भदोही के उद्योगपति सहित कई लोग समाजसेवा में जुटे, रजिस्ट्रेशन शुरू

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज (भदोही)। कोलकाता में मकर संक्रांति पर्व पर लगने वाले प्रसिद्ध गंगासागर मेले में जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए एक अच्छी खबर है। जो भी श्रद्धालु जाने की तैयारी में है ऐसे लोगों के लिए गंगासागर मेले में रहने, खाने-पीने, चिकित्सा-स्वास्थ्य सेवाएँ और परिवहन की सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध करायी जाएगी। इसके लिए जो भी श्रद्धालु गंगासागर मेले में तीर्थयात्रा पर जाने वाले हैं वो अपना रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। यह बाते सामाजिक संस्था से जुड़े गोपीगंज के हरदेवपुर गांव निवासी गुरुजी कलेक्शन के संचालक राजेंद्र कुमार पाण्डेय उर्फ झबलू ने दी है।

राजेंद्र कुमार पाण्डेय ने बताया कि 12 जनवरी से 16 जनवरी तक पाँच दिनों तक गंगासागर मेले में आए श्रद्धालुओं को माहेश्वरी भवन कोलकाता रेलवे स्टेशन से मंदिर तक बस से निःशुल्क पहुंचाना, खाना पीना खिलाना, दर्शन पूजन कराना, चिकित्सा व्यवस्था आदि की व्यवस्था निःशुल्क उपलब्ध मिलेगी। इसके लिए श्रद्धालु 9830006997 या 6291583959 पर संपर्क करके आधार कार्ड जमा करके अपना पंजीकरण करवा सकते हैं।

यह जानकारी सामाजिक संस्था से जुड़े वीरेंद्र कुमार पाण्डेय, राजेंद्र कुमार पाण्डेय और रत्नेश कुमार पाण्डेय उर्फ झबलू ने संयुक्त रूप से दी है।

गौरतलब है की गंगासागर यात्रा भारत के पश्चिम बंगाल राज्य में होती है, जो कोलकाता के दक्षिण में सागर द्वीप पर स्थित है, जहाँ गंगा नदी बंगाल की खाड़ी से मिलती है; यह स्थान मकर संक्रांति पर लगने वाले बड़े मेले के लिए प्रसिद्ध है, जहाँ श्रद्धालु पवित्र डुबकी लगाते हैं और कपिल मुनि मंदिर के दर्शन करते हैं, जिसे मोक्ष का स्थान माना जाता है।

आबकारी विभाग का विशेष प्रवर्तन अभियान, दुकानों व वाहनों की हुई सघन जांच

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। नववर्ष के दृष्टिगत आबकारी आयुक्त एवं जिलाधिकारी शैलेष कुमार के आदेश तथा जिला आबकारी अधिकारी भदोही के निर्देश पर जनपद में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार की रात आबकारी विभाग की टीम द्वारा विभिन्न स्थानों पर आकस्मिक निरीक्षण एवं सघन चेकिंग की गई।

अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक ज्ञानपुर रजनीश कुमार पाण्डेय, आबकारी निरीक्षक भदोही रोहित कुमार एवं आबकारी निरीक्षक औराई अनिल कुमार सूर्यभान ने मय स्टाफ देशी शराब दुकान गोपपुर, भरेशपट्टी का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपस्थित विक्रेता को नियमानुसार दुकान संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

इसके अतिरिक्त टीम द्वारा भरेशपट्टी स्थित ईंट-भट्ठों एवं लालानगर टोल प्लाजा पर वाहनों की सघन जांच की गई, जिससे अवैध शराब के परिवहन व बिक्री पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित किया जा सके।

प्लास्टिक निषेध व स्वच्छता अभियान पुलिस ने चलाया

सिद्धार्थनगर। जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अभिषेक महाजन के आदेश के क्रम में एवं प्रशांत कुमार प्रसाद अपर पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में व रोहनी यादव क्षेत्राधिकारी बांसी की अध्यक्षता में व अनूप कुमार मिश्र थानाध्यक्ष द्वारा कस्बा बेलौहा स्थित लोकेश्वर महादेव मंदिर में साफ सफाई अभियान चला कर साफ सफाई कराया गया एवं प्लास्टिक निषेध व स्वच्छता के आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । उपरोक्त स्वच्छता कार्यक्रम में थाना स्थानीय के सभी अधिकारी /कर्मचारी का सम्मिलित रहे।

पूर्व सभासद की स्मृति में जरूरतमंदों को कंबल व वस्त्र वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

गोपीगंज। पूर्व सभासद स्वर्गीय सावित्री देवी की पुण्य स्मृति में अग्रहरि परिवार की ओर से एक सामाजिक सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें दिव्यांग, बेसहारा, विधवा, मजदूर एवं गरीब परिवारों के बीच कंबल, शाल, मफलर, मोजा एवं साड़ियों का वितरण किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोपीगंज थाना प्रभारी शैलेश कुमार राय रहे, जिन्हें आयोजन से पूर्व मोमेंटो व शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता को भी मोमेंटो और शाल देकर सम्मानित किया गया।

कंबल वितरण का शुभारंभ थाना प्रभारी शैलेश कुमार राय ने एक दिव्यांग को कंबल प्रदान कर किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि जरूरतमंदों की सहायता से बड़ा कोई पुण्य कार्य नहीं है और समाज के सक्षम लोगों को ऐसे आयोजनों में बढ़-चढ़कर सहयोग करना चाहिए। नगर पालिका अध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता ने कहा कि स्वर्गीय सावित्री देवी की स्मृति में किया गया यह सेवा कार्य समाज के लिए प्रेरणादायी है, जिससे सामाजिक सौहार्द और आपसी सहयोग की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जरूरतमंदों को राहत सामग्री वितरित की गई। अंत में अग्रहरि परिवार की ओर से सभी अतिथियों, सहयोगियों एवं उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। वितरण समारोह में अनिल अग्रहरी, शिव अग्रहरी, कैलाश अग्रहरी, विशाल अग्रहरी, विकास अग्रहरी, सतीश अग्रहरी, पवन वर्मा, रियाज खान, मनीष यादव सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भदोही में गरीबों को कम्बल का किया गया वितरण

मंत्र भारत संवाददाता

भदोही। ज्ञानपुर क्षेत्र के शिवरामपुर में शनिवार को आर एस प्रॉपर्टी के तत्वावधान में विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी सैकड़ो गरीब और असहाय लोगों को कंबल का वितरण किया गया। कार्यक्रम में ज्ञानपुर ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि अखिलेश्वर प्रताप सिंह उर्फ बबलू सिंह रहे। गरीबों को कम्बल वितरण करने के बाद मुख्य अतिथि अखिलेश्वर प्रताप सिंह ने कहा कि जो लोग कंबल वितरण का पुनीत कार्य किये उन सभी को साधुवाद और बधाई। कहा कि समाज में ऐसे लोग अपने सेवा कार्य से एक मिशाल पेश कर रहे है। और ऐसे कार्यों में लोगों को बढ़ चढ़ कर सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम में प्रवेश तिवारी ने बताया कि इस तरह का आयोजन करके गरीबों और असहायों की मदद करना कहीं न कहीं पुनीत कार्य है, लोगो को भी अपने स्तर से यथासंभव इस तरह का आयोजन और सहयोग करना चाहिए। कृष्णा कांत चतुर्वेदी ने भी कम्बल वितरण के कार्यक्रम को सफल बताया और कहा कि इसी तरह गरीबों और असहायों की सेवा करने को बड़ा ही सौभाग्य बताया।

शिवरामपुर के ग्राम प्रधान मुन्ना सिंह ने भी लोगो से गरीब और असहायों की मदद करना एक पुनीत कार्य बाताया। कार्यक्रम में आये हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कम्बल पाने के गरीबों के चेहरे पर खुशी देखने को मिली। इस मौके पर अखिलेश्वर प्रताप सिंह उर्फ़ बबलू सिंह, रंजीत मिश्रा, प्रवेश तिवारी, कृष्णकांत चतुर्वेदी, मुन्ना सिंह, पंडित आशीष मिश्रा, डॉ श्याम बहादुर सिंह, दिलीप तिवारी समेत भारी संख्या में लोग मौजूद रहे।

बिहार कांग्रेस ने सात नेताओं को किया बाहर, 36 पर लटकी तलवार, बागियों को बख्शने के मूड में नहीं है पार्टी

पटना **(एजेंसी)**। बिहार के विधानसभा चुनाव में बेहद खराब प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अब एक्शन के मूड में है। महागठबंधन में रहकर चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सिर्फ 6 सीटों पर ही जीत दर्ज कर पाई थी। इस खराब प्रदर्शन के बाद पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार ने अनुशासनात्मक समिति बनाई थी।

इस समिति ने अब तक सात नेताओं को पार्टी से बाहर कर दिया है और 36 अन्य नेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इन सभी पर अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने का आरोप है।

चुनाव नतीजों के बाद कांग्रेस ने जिन नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की है उनमें से अधिकतर ऐसे हैं जिन्होंने प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार और बिहार के प्रभारी कृष्णा अल्लावरू के खिलाफ आवाज उठाई थी। उन्होंने इन नेताओं पर टिकट देने के बदले रिश्वत लेने का आरोप लगाया था।

बिहार में वोटिंग से ठीक पहले भी 18 अक्टूबर को कांग्रेस के कई नेताओं ने पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और इसमें गंभीर आरोप लगाए थे। इन नेताओं ने कहा था कि टिकट के बदले पैसे लिए गए हैं। इस वजह से कांग्रेस की काफी किरकिरी हुई थी।

ऐसे नेताओं में कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता आनंद माधव और खगड़िया से विधायक छत्रपति यादव सहित कई वरिष्ठ नेता शामिल थे। आनंद माधव और छत्रपति यादव को भी नोटिस जारी किया गया है।

बिहार के सांसद तारिक अनवर ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि राज्य इकाई ने कुछ नेताओं के खिलाफ कार्रवाई के लिए अनुशासनात्मक समिति से अनुरोध किया गया है। अनवर ने कहा, 'यह मामला कांग्रेस अध्यक्ष (मल्लिकार्जुन खरगे) के पास है और वही इस पर फैसला लेंगे।'

कांग्रेस के एक सीनियर नेता ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि जिन नेताओं के खिलाफ अनुशासन का डंडा चला है, उसमें से कुछ के खिलाफ कार्रवाई सही है जबकि कुछ लोगों को निशाना बनाया गया है।

छत्रपति यादव ने कहा, 'हमने पार्टी के खिलाफ नहीं उन लोगों के विरोध में बात की जिन्होंने अपने पद का गलत इस्तेमाल किया।' छत्रपति यादव 2020 में खगड़िया सीट से चुनाव जीते थे लेकिन इस बार उन्हें टिकट नहीं दिया गया।

आनंद माधव ने प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार द्वारा गठित की गई अनुशासनात्मक समिति पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि एआईसीसी ऐसी कमेटी बना सकती है ना कि प्रदेश कांग्रेस। बिहार कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल देव प्रसाद यादव कहते हैं कि नाराज नेताओं को पार्टी के भीतर ही आवाज उठानी चाहिए थी। इन लोगों ने कृष्णा अल्लावरू और राजेश कुमार सहित पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के खिलाफ झूठे आरोप लगाए और इसलिए यह कार्रवाई की गई है।

परिवार से होनी चाहिए इसे रोकने की शुरुआत लव जिहाद पर मोहन भागवत का बड़ा बयान

भोपाल **(एजेंसी)**। एमपी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने कहा कि लव जिहाद पर रोकथाम की शुरुआत परिवार और घरों से होनी चाहिए। भगवत ने कहा, 'हमें यह विचार करना चाहिए कि हमारी बेटी किसी अजनबी के बहकावे में कैसे आ सकती है।' उन्होंने तर्क दिया कि परिवार के सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल की कमी और संवाद का अभाव इस समस्या का कारण है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा, 'जब परिवार के भीतर नियमित संवाद होता है, तो धर्म, संस्कृति और परंपरा के प्रति सम्मान स्वाभाविक रूप से विकसित होता है।' इतना ही नहीं उन्होंने लव जिहाद रोकने के लिए तीन कदम भी सुझाए हैं। इसमें पहला तो परिवार के अंदर निरंतर संवाद, दूसरा लड़कियों में सावधानी और आत्मरक्षा की भावना पैदा करना और तीसरा ऐसे अपराध करने वालों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई।

भागवत ने यह भी कहा कि सामाजिक संगठनों को ऐसी गतिविधियों के प्रति जागरूक रहना चाहिए। मोहन भगवत ने कहा कि जब समाज सभ्य होने की बात करता है, तो महिलाओं की भूमिका केंद्रीय कारक बन जाती है। उन्होंने कहा, 'हमारा धर्म, हमारी संस्कृति और हमारी सामाजिक व्यवस्था केवल महिलाओं की वजह से ही सुरक्षित हैं।'

आरएसएस चीफ मोहन भागवत ने आगे कहा, 'वह समय बीत चुका है जब महिलाओं को केवल सुरक्षा कारणों से घर तक सीमित रखा जाता था। आज पुरुष और महिलाएं दोनों मिलकर परिवार और समाज को आगे बढ़ाते हैं, इसलिए दोनों का ज्ञानवर्धन आवश्यक है।' आरएसएस प्रमुख ने कहा, 'महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में प्रगति कर रही हैं, लेकिन इसे और मजबूत करने की जरूरत है।'

लैंगिक भेदभाव और उत्पीड़न पर बोलते हुए भगवत ने कहा कि वेस्टर्न सोसायटी में शादी के बाद ही स्त्री का दर्जा तय होता है, जबकि भारतीय परंपरा में मातृत्व से स्त्री का दर्जा ऊंचा होता है। भगवत ने तर्क दिया, 'मातृत्व हमारे मूल्यों का मूल है।' उन्होंने कहा कि आधुनिकता के नाम पर थोपा गया पश्चिमीकरण एक अंधाधुंध दौड़ है। इसलिए, बचपन से ही बच्चों को जो मूल्य सिखाए जा रहे हैं, उन पर गंभीरता से विचार करना अत्यंत महत्वपूर्ण है। भागवत ने कहा कि आज दुनिया भारत की ओर देख रही है और भारत इस भूमिका के लिए खुद को तैयार कर रहा है। देश की लगभग 50इ आबादी महिलाएं हैं और बड़ी संख्या में महिलाएं समाज और राष्ट्र के लिए काम कर रही हैं। हालांकि, भागवत ने कहा कि अभी भी कई महिलाएं इस प्रक्रिया में शामिल नहीं हैं।

ट्रंप की तरह पाकिस्तान से आतंकियों को लाएं मोदी

असदुद्दीन ओवैसी की मांग पर भड़की बीजेपी, दिया करारा जवाब

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। वेनेजुएला में अमेरिकी सेना के 'सर्जिकल स्ट्राइक' और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी की गूंज अब भारतीय राजनीति में भी सुनाई दे रही है। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस घटना का उदाहरण देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है।

एक रैली के दौरान ओवैसी ने कहा कि यदि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरे देश में घुसकर मादुरो को न्यूयॉर्क ला सकते हैं, तो प्रधानमंत्री मोदी को भी पाकिस्तान जाकर 26/11 मुंबई हमलों के मास्टरमाइंड को भारत वापस लाना चाहिए। ओवैसी ने चुनौती देते हुए कहा, 'मोदी जी, आप भी पाकिस्तान जाकर मसूद अजहर और लश्कर के उन शैतानों को वापस ला सकते हैं जिन्होंने मुंबई के खिलाफ साजिश रची थी।'

ओवैसी के इस तीखे बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। बीजेपी सांसद गुलाम अली खटाना ने पलटवार करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत ने हमेशा आतंकवादियों को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'हम एक जिम्मेदार राष्ट्र और दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र हैं। भारत अपने पड़ोसियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध चाहता है और हम किसी के उकसावे में आकर कार्रवाई नहीं करते।'

खटाना ने जोर देकर कहा कि भारत की रणनीति देशों को नहीं, बल्कि सीधे तौर पर आतंकवाद के अड्डों को निशाना बनाने की रही है।

वहीं, बिहार सरकार के मंत्री दिलीप जायसवाल ने ओवैसी के बयान पर तंज कसते हुए इसे केवल 'सनसनी फैलाने की कोशिश' करार दिया। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा कि ओवैसी अब अमेरिकी राष्ट्रपति को सलाह देने लगे हैं और वे प्रार्थना करते हैं कि ट्रंप उनकी बातों पर विचार करें।

वर्तमान में वेनेजुएला के पूर्व राष्ट्रपति मादुरो को न्यूयॉर्क में हिरासत में रखा गया है, जहां उन पर 'नार्को-आतंकवाद' की साजिश रचने के आरोप हैं। भारत में इस मुद्दे पर शुरू हुई जुबानी जंग ने एक बार फिर सीमा पार आतंकवाद और सरकार की विदेश नीति को चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

भाकियू कार्यकर्ताओं ने एसएसपी कार्यालय का घेराव किया, 400 से अधिक कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज

मुजफ्फरनगर **(एजेंसी)**। जिले में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय का घेराव करके सरकारी काम में बाधा डालने के आरोप में भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) के 400 से अधिक कार्यकर्ताओं पर मामला दर्ज किया गया है। अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) सत्यनारायण प्रजापत ने रविवार को संवाददाताओं को बताया कि भाकियू की युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह और मंडल अध्यक्ष कुशल वीर के नेतृत्व में संगठन के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर शनिवार की शाम एसएसपी कार्यालय का अवैध रूप से घेराव करके धरना दिया और सड़कों पर बेतरतीब तरीके से ट्रैक्टर-ट्रॉली खड़ी करके रास्ता जाम किया।

उन्होंने बताया कि घेराव के दौरान भाकियू नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुलिस के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियां की और पुलिस कार्यालय पर अपने बैनर और झंडे लगाये। वे पेपर मिल में अपशिष्ट के इस्तेमाल पर रोक लगाने और प्रदूषण रोकने की मांग कर रहे थे। बाद में पुलिस अधिकारियों के आश्वासन के बाद देर शाम धरना खत्म कर दिया गया। प्रजापत ने बताया कि पुलिस ने इस मामले में एसएसपी कार्यालय का अवैध रूप से घेराव करने, सरकारी काम में बाधा डालने और पुलिस के प्रति आपत्तिजनक टिप्पणियां करने समेत विभिन्न आरोपों में देर रात भाकियू की युवा शाखा के प्रदेश अध्यक्ष दिगंबर सिंह और मंडल अध्यक्ष कुशल वीर समेत 400 से अधिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

रिश्तों की मर्यादा तार-तार! ससूर की बाहों में लिपटी रही बहू, नजारा देख शर्म से झुक गए परिजन

लखनऊ **(एजेंसी)**। प्रदेश के महराजगंज जिले से रिश्तों की मर्यादा को सवालों के घेरे में डालने वाला एक मामला सामने आया है। यहां एक विवाहिता का अपने ससुर के एक सहयोगी से प्रेम संबंध उजागर होने के बाद गांव में हड़कंप मच गया। मामला तब सामने आया जब प्रेमी युवक देर रात बहू से मिलने उसके ससुराल पहुंच गया और दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में रंगे हाथों पकड़ लिया गया।

घटना सोनौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की बताई जा रही है। बताया जा रहा है कि युवती के ससुर और युवक एक ही स्थान पर साथ काम करते थे। इसी दौरान युवक का ससुर के घर आना-जाना बढ़ा। एक मुलाकात के दौरान युवक की नजर बहू पर पड़ी और धीरे-धीरे दोनों के बीच बातचीत शुरू हो गई।

जानकारी के अनुसार, युवक ने किसी तरह ससुर के मोबाइल से बहू का नंबर हासिल कर लिया। इसके बाद दोनों के बीच फोन पर बातचीत शुरू हुई, जो आगे चलकर प्रेम संबंध में बदल गई। इसी सिलसिले में युवक रात के अंधेरे में बहू से मिलने उसके ससुराल पहुंच गया। लेकिन इस बार दोनों की किस्मत ने साथ नहीं दिया। घर के लोगों ने कमरे में दोनों को आपत्तिजनक हालत में देख लिया। यह नजारा देख परिजन हैरान रह गए और युवक को जमकर फटकार लगाकर घर से भगा दिया गया।

घटना के बाद ससुराल पक्ष ने बहू को समझाने की कोशिश की और पूरे मामले की जानकारी उसके मायके वालों को दी। लेकिन मायके पक्ष ने बेटी को समझाने के बजाय ससुराल वालों पर ही उसे बदनाम करने का आरोप लगा दिया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद बढ़ गया, जो अंततः थाने तक पहुंच गया। सोनौली कोतवाली के थाना प्रभारी महेंद्र कुमार मिश्रा ने बताया कि मामले की सूचना पुलिस को मिल चुकी है। दोनों पक्षों के बयान लिए जा रहे हैं और पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

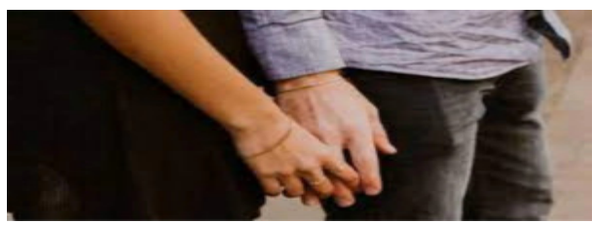

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने अमा बस द्वारा बार-बार होने वाली दुर्घटनाओं पर चिंता जताई

भुवनेश्वर **(एजेंसी)**। ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने रविवार को राज्य द्वारा संचालित अमा बस के कारण होने वाली लगातार दुर्घटनाओं पर गंभीर चिंता व्यक्त की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे चालकों को कौशल विकास के लिए प्रशिक्षण मुहैया कराएं और उनमें संवेदनशीलता विकसित करें।

मुख्यमंत्री ने यह निर्देश यहां अमा बस के कारण हुई दुर्घटना में एक ऑटो रिक्शा चालक की मौत के एक दिन बाद जारी किया है। पुलिस ने बताया कि दो यात्रियों को लेकर जा रहा ऑटो-रिक्शा व्यस्त रूपाली चौक पर लाल बत्ती के कारण रुककर इंतजार कर रहा था, तभी अमा बस ने उसे पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में ऑटो रिक्शा चालक की मौत हो गई, जबकि एक छात्रा समेत दो यात्री घायल हो गए।

एक अधिकारी ने बताया, एक यात्री का कैपिटल हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है, जबकि दूसरे घायल को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद मौके से फरार हुए बस चालक को गिरफ्तार कर गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया गया है।

माझी ने जाजपुर जिले के 62 वर्षीय बिष्णु पात्रा नामक ऑटो रिक्शा चालक की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया और मुख्यमंत्री राहत कोष (सीएमआरएफ) से चार लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने घायल छात्रा नमिता प्रधान (21) के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की।

मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, उन्होंने परिवहन विभाग को राजधानी क्षेत्र शहरी परिवहन (सीआरयूटी) के समन्वय से इस समस्या को सुधारने के लिए कदम उठाने का निर्देश दिया है, जो शहर की बसों का संचालन करता है। मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने अमा बस चालकों के कौशल विकास के लिए नियमित प्रशिक्षण का निर्देश दिया है, जिसमें उनके शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दिया गया है। विशेष रूप से उन्होंने चालकों में संवेदनशीलता विकसित करने के लिए एक प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार करने का सुझाव दिया है। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने परिवहन विभाग को नियमित अंतराल पर बसों कीजांच करने के लिए एक विशेष दल गठित करने का भी निर्देश दिया है।

उन्होंने परिवहन विभाग को स्थिति की नियमित समीक्षा करने और यह सुनिश्चित करने के प्रयास करने की सलाह दी कि ऐसी दुर्भाग्यपूर्ण घटनाएं दोबारा न हों। मुख्यमंत्री से निर्देश मिलने के तुरंत बाद, परिवहन आयुक्त अमिताभ ठाकुर के नेतृत्व में एक टीम ने यहां मास्टर कैंटीन स्थित अमा बस स्टैंड पर प्रवर्तन अभियान शुरू किया। इसी प्रकार, सीआरयूटी ने मृतक के परिवार के लिए दो लाख रुपये और घायल कॉलेज छात्र के लिए 50, 000 रुपये की तत्काल राहत राशि की घोषणा की है।

100 यूनिट तक फ्री बिजली, 10 रुपये में ब्रेकफास्ट बीएमसी चुनाव के लिए ठाकरे बंधुओं का घोषणापत्र जारी

मुम्बई **(एजेंसी)**। शिवसेना यूबीटी के प्रमुख उद्धव ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के राज ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आगामी मुंबई नगर निगम चुनावों के लिए अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस प्रेस कॉन्फ्रेंस में ठाकरे बंधुओं ने मुंबई की जनता के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। आइए जानते हैं कि ठाकरे ब्रदर्स ने क्या-क्या घोषणाएं की है। उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे द्वारा मुंबईकर के लिए जारी किए गए इस घोषणापत्र में टैक्स माफी का भी जिक्र है। जिसके अनुसार अब 700 वर्ग फुट तक के घरों पर प्रॉपर्टी टैक्स पूरी तरह माफ किया जाएगा। 10 रुपये में खाना और बेक्रफास्ट दिया जाएगा। हर एक वार्ड में मिनी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स बनाया जाएगा।

मुंबई नगर निगम में खाली पदों को भरा जाएगा। वहीं शिक्षा को लेकर इस घोषणापत्र में लिखा है कि नगर निगम के स्कूलों को बिल्डरों के हाथों में नहीं जाने दिया जाएगा। मुंबई नगर निगम बाबासाहेब अंबेडकर के नाम पर दुनिया की सबसे बड़ी लाइब्रेरी बनाएगा। इसके अलावा, सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट का निर्माण किया जाएगा। पानी की कीमतें स्थिर रखकर मुंबई वासियों को पानी उपलब्ध कराया जाएगा। मुंबई में नालियों की सफाई का काम 12 महीने तक चलेगा। मुंबई के लोगों को 100 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी।

महिलाओं और छात्रों के लिए स्पेशल बेस्ट बसों में फ्री यात्रा का भी घोषणा पत्र में जिक्र है।

शिवसेना यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी पर भी हमला बोला है और चुनाव आयोग पर भी निशाना साधा है। उन्होंने कहा, 'यह अब लोकतंत्र नहीं, झुंडशाही बन गया है। अगर हम उन्हें वोट चोरी करते हुए रंगे हाथों पकड़ भी लें, तो अब उन्होंने उम्मीदवारों को भी चुराना शुरू कर दिया है। हमारी तुलना प्रधानमंत्री मोदी से नहीं की जा सकती, जिन्होंने कैलाश पर्वत बनवाया, गंगा को धरती पर लाया। समुद्र मंथन उन्होंने ही किया था। हम आज भी छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के समुद्र से निकलने का इंतजार कर रहे हैं, जहां प्रधानमंत्री मोदी ने वर्षों पहले पूजा की थी। हम चुनाव आयोग को चुनौती देते हैं, सभी रिटर्निंग अधिकारियों के कॉल रिकॉर्ड दिखाएं, हम देखना चाहते हैं।'

उद्धव ठाकरे ने कहा, 'विधानसभा अध्यक्ष राहुल नरवेकर द्वारा उम्मीदवारों और वोटरों को खुलेआम धमकाना बेहद चौंकाने वाला है। उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उन्हें तुरंत निलंबित किया जाना चाहिए। वे अधिकारियों को नेताओं की सुरक्षा हटाने का आदेश देते हैं, विधानसभा के अंदर उनका यह अधिकार है, बाहर नहीं। राहुल नारवेकर के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। आपने निर्विरोध उम्मीदवारों को चुनकर मतदाताओं से मतदान का अधिकार छीन लिया है। इन स्थानों पर उपचुनाव होने चाहिए।'

एमएनएस चीफ राज ठाकरे ने भी बीजेपी पर हमला बोला है। राज ठाकरे ने कहा, 'बीजेपी पश्चिम बंगाल के निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट गई थी, मैं जानना चाहता हूं कि अब वही पार्टी महायुति के निर्विरोध निर्वाचित उम्मीदवारों के बारे में क्या सोचती है। कोई भी स्थायी सत्ता लेकर नहीं आता, अगर उन्हें लगता है कि उन्हें कभी सरकार से नहीं हटाया जा सकता, तो उन्हें फिर से सोचना चाहिए। मैं यह बात सालों से कहता आ रहा हूं, वे महाराष्ट्र को उत्तर प्रदेश और बिहार में बदल रहे हैं।

हिमंता के किले में सेंधमारी कर पाएंगी प्रियंका? असम में चुनाव से पहले कांग्रेस की आक्रामक नीति

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। कांग्रेस ने साल 2026 में अलग-अलग राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर कई स्क्रीनिंग कमेटी का ऐलान किया है। इसमें सबसे खास फैसला केरल के वायनड से लोकसभा सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को असम के लिए स्क्रीनिंग कमेटी की चेयरपर्सन बनाया है। कांग्रेस का यह कदम बड़ा इसलिए भी है, क्योंकि प्रियंका को पहली बार पार्टी ने स्क्रीनिंग कमेटी की जिम्मेदारी दी गई है।

प्रियंका के अलावा कांग्रेस ने अन्य राज्यों की स्क्रीनिंग कमेटी को लेकर अहम फैसला लिया गया है। केरल के लिए मधुसूदन मिस्त्री, तमिनाडु और पुड्डुचेरी की जिम्मेदारी वरिष्ठ नेता टीएस सिंह देव को दी गई है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल के लिए बीके हरिप्रसाद को स्क्रीनिंग कमेटी का चेयरमैन बनाया गया है। सारे ही फैसले बड़े हैं लेकिन अहम प्रियंका गांधी को दिया गया टास्क है।

प्रियंका गांधी को असम के विधानसभा चुनाव के लिए अहम जिम्मेदारी दी गई है। असम में पिछले दस साल से बीजेपी सरकार में है। बीजेपी के असम में सत्ता हासिल करने के पीछे एक बड़ी वजह हिमंता बिस्वा सरमा हैं। कांग्रेस से नाराजगी के कारण हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस पार्टी तोड़ दी थी। हिमंता बिस्वा सरमा ने पिछले 10-12 साल में बीजेपी के विस्तार में अहम भूमिका निभाई थी। इसके चलते कांग्रेस असम की राजनीति में हाशिए पर खिसक गई है।

ऐसे में प्रियंका गांधी वाड्रा को असम की जिम्मेदारी देते हुए कांग्रेस ने यह जताने के संकेत दिए हैं, कि पार्टी इस बार असम के विधानसभा चुनाव को लेकर काफी सीरियस है। असम में कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं, और अब प्रियंका गांधी का इस चुनावी अभियान में शामिल होना अहम माना जा रहा है।

बाड़मेर-बालोतरा सीमा का पुनर्गठन तुगलकी आदेश : अशोक गहलोत

जयपुर **(एजेंसी)**। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भाजपा सरकार द्वारा शनिवार देर रात किए गए बाड़मेर और बालोतरा जिलों की सीमाओं के पुनर्गठन की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने रविवार को इस कदम को तुगलकी आदेश करार देते हुए कहा कि यह जल्दबाजी में लिया गया निर्णय है जो जनहित के खिलाफ है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बायतू को बाड़मेर जिले में और गुड़ामालानी-धोरीमन्ना को बालोतरा में शामिल करने का निर्णय प्रशासनिक दृष्टि से कतई तर्क संगत नहीं है। इससे गुड़ामालानी क्षेत्र की जनता के लिए जिला मुख्यालय की दूरी कम होने के बजाय और बढ़ गई है।

गहलोत ने कहा, 'यह आम जनता के साथ घोर अन्याय है। स्पष्ट है कि यह निर्णय जनसुविधा के लिए नहीं बल्कि आगामी परिसीमन और सियासी समीकरणों को साधने के लिए लिया गया है।'

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रशासन को जनता के द्वार तक पहुंचाने की मंशा से नए जिले बनाए थे, लेकिन भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मौजूदा सरकार जनभावनाओं को दरकिनार कर केवल सियासी रोटियां सेकने में व्यस्त है।

दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण और शीतलहर का डबल अटैक कोहरे की चादर में लिपटी राजधानी, 'बहुत खराब' हुई हवा

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड के साथ-साथ प्रदूषण का कहर जारी है। रविवार सुबह दिल्लीवासी ठंडी, बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के बीच उठे। कोहरे के कारण शहर के कई हिस्सों में विजिबिलिटी काफी कम दर्ज की गई, जिससे यातायात पर भी असर पड़ा। सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़ों के अनुसार, दिल्ली का औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक 248 दर्ज किया गया, जो 'खराब' श्रेणी में आता है। हालांकि, शहर के कई हॉटस्पॉट्स पर हालात इससे कहीं ज्यादा गंभीर बने हुए हैं। राजधानी के मुख्य मॉनिटरिंग स्टेशनों पर हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में पहुंच गई है। आनंद विहार (350), रोहिणी (361), चांदनी चौक (355) और मुंडका (329) जैसे इलाकों में सांस लेना दूभर हो गया है। इसके विपरीत, एघ्ळ द्वारका और इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट जैसे क्षेत्रों में हवा थोड़ी बेहतर रही, जहां एक्यूआई 177 दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बताया कि रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान गिरकर 9 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जिससे ठिठुरन और बढ़ गई है।

प्रदूषण और स्मॉग की इस धुंध के बावजूद, इंडिया गेट पर गणतंत्र दिवस परेड की तैयारियां ज़ोर-शोर से जारी हैं। जवानों का अभ्यास और अन्य तैयारियां कोहरे के बीच भी थमी नहीं हैं।

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में अधिकतम तापमान 18 से 19 डिग्री और न्यूनतम तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच बना रहेगा। ठंड और धुंध का यह सिलसिला फिलहाल थमता नजर नहीं आ रहा है। उत्तर और मध्य भारत के लिए भी मौसम विभाग ने 'शीतलहर' का अलर्ट जारी किया है। अगले कुछ दिनों में तापमान में और गिरावट आने और घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। पहाड़ी राज्यों की बात करें तो 5 और 6 जनवरी को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में हल्की बारिश और बर्फबारी हो सकती है, जबकि हिमाचल प्रदेश में 6 जनवरी को बारिश के आसार हैं।

एशेज सिडनी टेस्ट : जो रूट की शानदार पारी सचिन तेंदुलकर के ऐतिहासिक रिकॉर्ड के बेहद करीब

सिडनी **(एजेंसी)**। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे पांचवें एशेज टेस्ट के पहले दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए इतिहास के बेहद करीब कदम बढ़ा दिया है। सिडनी में खेले जा रहे इस मुकाबले में रूट ने 72 रनों की बेहतरीन पारी खेलकर सचिन तेंदुलकर के सबसे ज्यादा टेस्ट अर्धशतकों के रिकॉर्ड को चुनौती दे दी है। जो रूट ने इस पारी के साथ अपने टेस्ट करियर का 67वां अर्धशतक पूरा किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा फिफ्टी लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में वेस्टइंडीज के शिवनारायण चंद्रपॉल (66 अर्धशतक) को पीछे छोड़ते हुए दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। इस सूची में अब उनसे आगे सिर्फ सचिन तेंदुलकर हैं, जिनके नाम 68 टेस्ट अर्धशतक दर्ज हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो जो रूट की निरंतरता बेहद खास रही है। सचिन तेंदुलकरः 200 टेस्ट, 68 अर्धशतक, 51 शतक, जो रूटः 163 टेस्ट, 67 अर्धशतक, 40 शतक। रूट ने कम मैचों में यह मुकाम हासिल किया है और मौजूदा फॉर्म को देखते हुए वह जल्द ही तेंदुलकर के रिकॉर्ड की बराबरी या उसे पार कर सकते हैं।

अर्धशतक के रिकॉर्ड के अलावा जो रूट एक और ऐतिहासिक उपलब्धि के बेहद करीब हैं। अगर वह इस टेस्ट मैच में 151 रन और बना लेते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट में 14, 000 रन पूरे करने वाले दूसरे बल्लेबाज बन जाएंगे। फिलहाल इस खास क्लब में सिर्फ सचिन तेंदुलकर ही शामिल हैं।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड टीम की शुरुआत साधारण रही, लेकिन नंबर चार पर उतरे जो रूट ने पारी को मजबूती दी। उन्होंने हैरी ब्रुक के साथ चौथे विकेट के लिए 154 रनों की शानदार साझेदारी की।

35 साल के हो चुके रूट ने संयमित अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 103 गेंदों पर 72 रन बनाए, जिसमें 8 चौके शामिल रहे। वहीं ब्रुक ने आक्रामक अंदाज अपनाते हुए 78 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और एक छक्का शामिल था।

पहले दिन का खेल समाप्त होने तक इंग्लैंड ने 3 विकेट पर 211 रन बना लिए थे। क्रीज पर जो रूट (72) और हैरी ब्रुक (78) नाबाद लौटे। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों के खिलाफ इंग्लैंड ने मजबूत स्थिति बना ली है और दूसरे दिन टीम बड़े स्कोर की ओर बढ़ने का प्रयास करेगी।

ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 : 45 साल की उम्र में वीनस विलियम्स ग्रैंड स्लैम खेलने को तैयार

न्यूयॉर्क/ऑकलैंड **(एजेंसी)**। सात बार की ग्रैंड स्लैम सिंगल्स चैंपियन वीनस विलियम्स ने साफ कर दिया है कि 45 साल की उम्र में भी उनके अंदर टेनिस खेलने की वही आग मौजूद है। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 से पहले वीनस ने कहा कि वह सिर्फ खेलने के लिए नहीं, बल्कि अच्छे स्तर का टेनिस दिखाने के इरादे से कोर्ट पर उतर रही हैं। वीनस विलियम्स को ऑस्ट्रेलियन ओपन के लिए वाइल्डकार्ड मिला है और इसके साथ ही वह टूर्नामेंट के मुख्य ड्रॉ में खेलने वाली सबसे उम्रदराज महिला खिलाड़ी बन जाएंगी। मेलबर्न में वह पांच साल बाद वापसी कर रही हैं, हालांकि इस रिकॉर्ड के बारे में उन्हें पहले जानकारी नहीं थी।

वीनस ने कहा कि अब उनका नजरिया पहले जैसा नहीं रहा है। उन्होंने कहा, 'अब मैं रिकॉर्ड्स के पीछे नहीं भागती। मेरा लक्ष्य खुश रहना है और खुद को चुनौती देना है। असहज परिस्थितियों को अपनाना ही चैंपियंस की पहचान होती है।' उन्होंने आगे जोड़ा कि इतनी लंबी दूरी तय कर टूर्नामेंट खेलने आने का मतलब ही है कि उनके भीतर अब भी जीतने की भूख मौजूद है। 'मैं आधी दुनिया पार करके यहां सिर्फ औपचारिकता निभाने नहीं आती। मेरे अंदर अब भी वही जुनून है।' वीनस का मानना है कि टेनिस उन्हें शारीरिक रूप से फिट रखने में मदद करता है। 'टेनिस बहुत कैलोरी बर्न करता है और यह शानदार फिटनेस देता है। अगर फिट रहना है, तो खेलते रहना होगा।' पांच बार की विंबलडन चैंपियन वीनस इससे पहले 2003 और 2017 में ऑस्ट्रेलियन ओपन सिंगल्स फाइनल खेल चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने बहन सेरेना विलियम्स के साथ चार बार ऑस्ट्रेलियन ओपन डबल्स का खिताब भी जीता है। वीनस का आखिरी टूर्नामेंट अगस्त में यूएस ओपन था, जहां वह 16 महीने के लंबे ब्रेक के बाद लौटी थीं। अब ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले वह ऑकलैंड और होबार्ट में होने वाले वॉर्म-अप टूर्नामेंट्स में हिस्सा लेंगी, ताकि मैच प्रैक्टिस की कमी को दूर किया जा सके।

ऑकलैंड में मीडिया से बात करते हुए वीनस ने कहा, 'मेरे पास अनुभव बहुत है, लेकिन इस ड्रॉ में शायद मैंने सबसे कम मैच खेले हैं। मुझे शुरुआत से ही तेज खेल दिखाना होगा।' उन्होंने यह भी कहा कि टेनिस की खूबसूरती यही है कि मैच लंबे होते हैं और खिलाड़ी को खुद को संभालने का मौका मिलता है।

ऑकलैंड ओपन में वीनस का पहला मुकाबला सोमवार को पोलैंड की पांचवीं वरीयता प्राप्त और दुनिया की 54वें नंबर की खिलाड़ी मैग्डा लिनेट से होगा। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि क्या 45 साल की उम्र में वीनस विलियम्स ऑस्ट्रेलियन ओपन में एक और यादगार अध्याय जोड़ पाएंगी।

मुस्ताफिजुर विवाद के बाद बांग्लादेश का बड़ा फैसला टी20 विश्व कप के लिए टीम नहीं आएंगी भारत

ढाका **(एजेंसी)**। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपने स्टार तेज गेंदबाज मुस्ताफिजुर रहमान को आईपीएल में खेलने के लिए दी गई एनओसी को तुरंत प्रभाव से रद्द कर दिया है। बोर्ड की अधिकारियों की बैठक में यह फैसला लिया गया, जिसमें सुरक्षा कारणों को प्रमुख आधार माना गया। इसका मतलब है कि केकेआर का फैसला बदलने के बावजूद बीसीबी मुस्ताफिजुर को आईपीएल खेलने की अनुमति नहीं देगा। बीसीबी पहले आईसीसी और बीसीसीआई को पत्र भेजकर सुरक्षा स्थिति का आकलन कर रहा था, लेकिन बोर्ड की आपात बैठक में यह तय हुआ कि टी20 विश्व कप में बांग्लादेश भारत नहीं जाएगा। बोर्ड के अनुसार, अगर एक खिलाड़ी भारत में सुरक्षित नहीं है, तो पूरी टीम के लिए खेलना जोखिम भरा हो सकता है।

बांग्लादेश के खेल सलाहकार आसिफ नज़रुल ने कहा कि टीम की सुरक्षा को लेकर उन्हें संदेह है। उन्होंने बोर्ड को निर्देश दिए हैं कि टी20 विश्व कप मैचों को श्रीलंका में कराने के लिए आईसीसी से संपर्क करें। उन्होंने यह भी कहा कि बोर्ड को आईसीसी को पूरी जानकारी देनी चाहिए और जहां एक खिलाड़ी सुरक्षित नहीं है, वहां पूरी टीम भी सुरक्षित नहीं रह सकती।

बीसीसीआई के निर्देशों के बाद केकेआर ने मुस्ताफिजुर को आईपीएल 2026 टीम से रिलीज कर दिया। उन्हें पिछले महीने हुए आईपीएल ऑक्शन में 9.2 करोड़ रुपये में खरीदा गया था। हाल के दिनों में भारतीय आध्यात्मिक और राजनीतिक नेताओं की ओर से इस चयन को लेकर उन्हें आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था।

बांग्लादेश को अगले महीने टी20 विश्व कप में अपने पहले तीन मैच कोलकाता में खेलने हैं। अब कयास लगाए जा रहे हैं कि बोर्ड आईसीसी को पत्र लिखकर खिलाड़ियों की सुरक्षा को लेकर अपनी चिंताएं सामने रखेगा।

फुटबॉल जगत में शोक, बुल्गारिया के महान फुटबॉल खिलाड़ी और कोच का निधन

सोफिया **(एजेंसी)**। बुल्गारिया के दिग्गज फुटबॉल खिलाड़ी और कोच दिमितार पेनेव का 80 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। बुल्गारियाई फुटबॉल यूनियन ने उनके निधन की पुष्टि की। पेनेव वही कोच थे जिनकी अगुआई में बुल्गारिया की राष्ट्रीय टीम ने 1994 फीफा विश्व कप में चौथा स्थान हासिल किया था, जो आज तक का उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन माना जाता है।

दिमितार पेनेव के निधन पर बुल्गारिया के फुटबॉल क्लबों, खिलाड़ियों और कोचों ने शोक व्यक्त किया। इसके साथ ही देश के निवर्तमान प्रधानमंत्री रोसेन ज़ेल्याज़कोव ने भी उन्हें श्रद्धांजलि दी। फुटबॉल जगत में उनके योगदान को याद करते हुए सभी ने उन्हें एक महान खिलाड़ी और प्रेरणादायी कोच बताया।

बुल्गारिया के सबसे सफल फुटबॉल खिलाड़ियों में शुमार क्रिस्टो स्टोइचकोव ने फेसबुक पर भावुक पोस्ट साझा की। उन्होंने लिखा, 'वह व्यक्ति जिसने हमें दुनिया में चौथा स्थान दिलाया। वह व्यक्ति जिसने हममें से दर्जनों लोगों को इंसान और एथलीट के रूप में गढ़ा। शांति से आराम करें, बॉस। आपको कभी नहीं भुलाया जाएगा।'

दिमितार पेनेव ने अपने खेल करियर में सीएसकेए सोफिया के लिए 13 वर्षों तक खेला और उन्हें बुल्गारिया के शीर्ष सेंटर-बैक खिलाड़ियों में गिना जाता था। उन्होंने 1966, 1970 और 1974 के फीफा विश्व कप में बुल्गारिया का प्रतिनिधित्व किया। पेनेव ने कुल 90 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले खेले और दो बार 'बुल्गारियाई फुटबॉलर ऑफ द ईयर' का सम्मान हासिल किया।

आम्रपाली ग्रुप ईडी के शिकंजे में जब्त की 99 करोड़ की संपत्तियां

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। आम्रपाली ग्रुप के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब 99 करोड़ रुपए की अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम, 2002 के तहत ईडी के लखनऊ जोनल कार्यालय द्वारा की गई है। लंबे समय से फ्लैट खरीदारों को घर न देने और पैसों के दुरुपयोग के आरोपों से घिरे आम्रपाली मामले में इसे पीड़ित खरीदारों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है।

ईडी ने यह जांच दिल्ली पुलिस, नोएडा पुलिस और ईओडब्ल्यू दिल्ली में दर्ज कई एफआईआर के आधार पर शुरू की थी। यह कार्रवाई सुप्रीम कोर्ट के 23 जुलाई 2019 के आदेश के अनुपालन में भी की जा रही है, जो आम्रपाली मामले में गृह खरीदारों की याचिकाओं से जुड़ा है। जांच में सामने आया कि खरीदारों से बड़ी रकम लेने के बावजूद फ्लैटों का निर्माण पूरा नहीं किया गया और पैसों का अन्य कार्यों में दुरुपयोग किया गया।

ईडी ने मौर्या उद्योग लिमिटेड के कार्यालय, फैक्ट्री की जमीन और भवन को कुर्क किया है। मौर्या उद्योग लिमिटेड, सुरेका समूह की इकाई है, जिसके प्रवर्तक नवनीत सुरेका और अखिल सुरेका हैं। एजेंसी के अनुसार, 30 दिसंबर 2016 तक इन संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 99.26 करोड़ रुपए आंका गया है।

ईडी की जांच में आरोप है कि आम्रपाली ग्रुप के निदेशक अनिल कुमार शर्मा, शिव प्रिया और अजय कुमार ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर खरीदारों के पैसे का दुरुपयोग किया। टीएमटी बार और निर्माण सामग्री की खरीद के नाम पर फर्जी लेन-देन, शेल कंपनियों और नकली सप्लायरों के जरिए पैसा घुमाने, नकद निकासी करने और अपराध से अर्जित आय को छिपाने के आरोप लगाए गए हैं।

सिगरेट पीने वालों को झटका! अब लंबाई के हिसाब से बढ़ेंगे दाम

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। अगर आप धूम्रपान के शौकीन हैं तो आने वाला महीना आपकी जेब पर भारी पड़ने वाला है। केंद्र सरकार ने तंबाकू उत्पादों विशेषकर सिगरेट पर लगने वाले टैक्स ढांचे में क्रांतिकारी बदलाव किया है। 1 फरवरी 2026 से सिगरेट की कीमतें ब्रांड के साथ-साथ उसकी लंबाई के आधार पर तय होंगी। साल 2017 में जीएसटी लागू होने के बाद तंबाकू टैक्स के क्षेत्र में यह अब तक का सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है।

सरकार ने स्पेसिफिक सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी को फिर से प्रभावी तरीके से लागू करने का फैसला किया है। अब प्रति 1, 000 सिगरेट स्टिक के आधार पर टैक्स वसूला जाएगा।

हालांकि सरकार ने कंपेंसेशन सेस हटाया है लेकिन नई एक्साइज ड्यूटी जुड़ने के बाद सिगरेट की कुल कीमत का लगभग 53ः हिस्सा केवल टैक्स होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) का मानना है कि तंबाकू उत्पादों को महंगा करना उन्हें छोड़ने का सबसे प्रभावी तरीका है। सरकार चाहती है कि बढ़ती कीमतों के कारण लोग धूम्रपान कम करें।

वैश्विक मानकः डब्ल्यूएचओ की सिफारिश है कि तंबाकू की कीमत का 75ः हिस्सा टैक्स होना चाहिए। भारत अब धीरे-धीरे इसी लक्ष्य की ओर बढ़ रहा है।

राजस्व में वृद्धिः इस नए टैक्स ढांचे से सरकारी खजाने में बड़ी राशि जमा होगी जिसका इस्तेमाल स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में किया जा सकता है।

ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज की सेहत में सुधार डेमियन मार्टिन कोमा से आए बाहर

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व महान बल्लेबाज डेमियन मार्टिन को लेकर राहत भरी खबर सामने आई है। मेनिन्जाइटिस से पीड़ित मार्टिन को डॉक्टरों ने कुछ दिन पहले कृत्रिम कोमा में रखा था, लेकिन अब वह कोमा से बाहर आ चुके हैं और उनकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है। 54 वर्षीय मार्टिन फिलहाल गोल्ड कोस्ट के अस्पताल में चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है।

मार्टिन के करीबी दोस्त और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट ने उनकी सेहत को लेकर अहम जानकारी साझा की है। गिलक्रिस्ट के मुताबिक, डेमियन मार्टिन अब बात कर पा रहे हैं और इलाज का सकारात्मक असर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि कोमा से बाहर आने के बाद मार्टिन की रिकवरी बेहद शानदार रही है, जिसे उनका परिवार किसी चमत्कार से कम नहीं मान रहा।

गिलक्रिस्ट ने यह भी बताया कि डॉक्टर जल्द ही उन्हें आईसीयू से अस्पताल के दूसरे वार्ड में शिफ्ट कर सकते हैं, जो उनकी तेज रिकवरी का संकेत है। उन्होंने फेसटाइम पर मार्टिन से बात करने का जिक्र करते हुए कहा कि वह अभी पूरी तरह फिट नहीं हैं, थोड़े सुस्त और थके हुए जरूर हैं, लेकिन हालात को समझने लगे हैं और संवाद कर रहे हैं।

डेमियन मार्टिन की पत्नी अमांडा ने भी उनकी सेहत को लेकर अपडेट देते हुए बताया कि वह तेजी से बेहतर हो रहे हैं। उन्होंने गोल्ड कोस्ट यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल की मेडिकल टीम के प्रति गहरा आभार जताया, जिनके प्रयासों से यह सुधार संभव हो पाया है।

डेमियन मार्टिन ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद मध्यक्रम बल्लेबाजों में गिने जाते हैं। उन्होंने 67 टेस्ट मैचों में 4, 406 रन बनाए, जिसमें उनका औसत 46.37 रहा। वनडे क्रिकेट में उन्होंने 208 मैचों में 5, 346 रन बनाए और उनका औसत 40.90 रहा, जबकि उनका सर्वोच्च स्कोर 144 नाबाद रहा।

मार्टिन ऑस्ट्रेलिया की 1999 और 2003 वनडे वर्ल्ड कप जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। खासतौर पर 2003 वर्ल्ड कप फाइनल में भारत के खिलाफ उन्होंने टूटे हुए उंगली के साथ 88 रन की नाबाद पारी खेली थी और कप्तान रिकी पोंटिंग के साथ 234 रन की ऐतिहासिक साझेदारी कर टीम को खिताब दिलाया था। इसके अलावा वह 2006 चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली टीम का भी हिस्सा रहे। क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्होंने कुछ समय तक कमेंट्री भी की।

नवंबर में भारत कोयला आयात बढ़ा आने वाले महीनों में गिरावट की संभावना

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। भारत का कोयला आयात नवंबर में 28.1 प्रतिशत बढ़ा, हालांकि घरेलू संसाधनों की उपलब्धता बढ़ने के कारण आने वाले महीनों में इसमें गिरावट आने की उम्मीद है। इस्पात कंपनी सेल और टाटा स्टील के संयुक्त उद्यम एमजंक्शन सर्विसेज लिमिटेड के आंकड़ों से यह जानकारी मिली, जो एक बी2बी ई-कॉमर्स मंच है।

आंकड़ों के मुताबिक नवंबर 2025 में आयात सालाना आधार पर बढ़कर 2.5 करोड़ टन हो गया, जो नवंबर 2024 में 1.95 करोड़ टन था। एमजंक्शन के प्रबंध निदेशक और सीईओ विनय वर्मा ने कहा, नवंबर में आयात की मात्रा में वृद्धि मुख्य रूप से इस्पात मिलों द्वारा सर्दियों के भंडार को फिर से तैयार करने के कारण हुई। इसके अलावा, कुछ खरीदारों ने नई पोजीशन ली क्योंकि समुद्र के रास्ते आने वाले कोयले की कीमतें कमजोर बनी हुई थीं। हालांकि, आने वाले महीनों में हम घरेलू उपलब्धता बढ़ने के कारण आयात में गिरावट की उम्मीद कर रहे हैं।

नवंबर 2025 के कुल आयात में नॉन-कोकिंग कोल का आयात 1.42 करोड़ टन रहा, जबकि एक साल पहले इसी माह में यह आंकड़ा 1.23 करोड़ टन था। समीक्षाधीन अवधि में कोकिंग कोल का आयात 65 लाख टन रहा। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-नवंबर अवधि में कोयला आयात बढ़कर 18.61 करोड़ टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 18.20 करोड़ टन था।

कृति सेनन की बहन नूपुर सेनन ने स्टेबिन बेन से की सगाई, दिल छू लेने वाली पोस्ट में हीरे की अंगूठी दिखाई

शादी की अफवाहों के बीच, एक्ट्रेस कृति सेनन की बहन और एक्ट्रेस नूपुर सेनन ने आखिरकार अपने रिश्ते को पब्लिक कर दिया है। उन्होंने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और सिंगर स्टेबिन बेन के एक सपनों जैसे प्रपोज़ल में 'हां' कहा। नूपुर ने प्रपोज़ल की तस्वीरें पोस्ट करके यह खबर शेयर की। तस्वीरों में कृति सेनन भी अपनी बहन और होने वाले जीजा को गले लगाते हुए दिख रही हैं। तस्वीरों में कपल सेनन के माता-पिता को वीडियो कॉल करते हुए भी दिख रहा है।

नूपुर सेनन ने अपने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर कीं। पहली तस्वीर में, स्टेबिन बेन घुटनों पर बैठकर नूपुर को प्रपोज़ करते हुए दिख रहे हैं, उनके पीछे 'विल यू मैरी मी' लिखा हुआ है। दूसरी तस्वीर में नूपुर अपनी अंगूठी दिखा रही हैं। एक तस्वीर में कृति सेनन नूपुर और स्टेबिन को गले लगाते हुए दिख रही हैं। हालांकि कृति का चेहरा साफ नहीं दिख रहा है, लेकिन यह 'तेरे इश्क में' एक्ट्रेस ही लग रही हैं।

नूपुर ने अपने माता-पिता को किए गए वीडियो कॉल की एक तस्वीर भी शेयर की। इन तस्वीरों को शेयर करते हुए नूपुर ने लिखा, 'शायद से भरी दुनिया में, मुझे सबसे आसान 'हां' मिल गया जो मुझे कभी कहना पड़ा।'

सगाई एक यॉट पर हुई, शायद मुंबई में। इस खास पल के लिए, नूपुर ने एक खूबसूरत फ्लोरल ड्रेस पहनी थी, जबकि स्टेबिन नीले सूट में दिखे।

नूपुर और स्टेबिन की शादी की खबरें काफी समय से चल रही हैं और ऐसा लगता है कि नूपुर और स्टेबिन 11 जनवरी को उदयपुर में शादी कर सकते हैं। शादी एक प्राइवेट फंक्शन होने की उम्मीद है और कथित तौर पर बाद में मुंबई में एक ग्रैंड रिसेप्शन भी प्लान किया गया है।

हालांकि, न तो परिवार और न ही कपल ने अभी तक शादी की अफवाहों के बारे में कोई ऑफिशियल बयान जारी किया है। लेकिन यह प्रपोज़ल अब उनकी शादी के बारे में अटकलों को और हवा दे रहा है।

जय भानुशाली -माही विज का चौंकाने वाला तलाक कहा- 'हमारी इस कहानी में कोई खलनायक नहीं है'

टेलिविजन की दुनिया से पॉपुलर हुए एक्टर्स माही विज और जय भानुशाली को फैंस से हमेशा खूब प्यार मिला है। काफी समय से अटकलें लग रही थी कि कपल की शादी टूटने वाली है। इस बीच, सोशल मीडिया पर कपल्स ने अपने फैंस को चौंका दिया। माही विज और जय भानुशाली ने 16 साल की शादी के बाद अलग होने की घोषणा की है। इंस्टाग्राम पर कपल्स ने एक बयान जारी किया है, जिसमें कहा गया है कि भले ही वे अलग हो गए हैं, लेकिन वे हमेशा एक-दूसरे का साथ देंगे और खासकर अपने तीन बच्चों - तारा, खुशी और राजवीर के लिए। बयान में कहा गया, 'आज हम जीवन के इस सफर में अलग होने का फैसला करते हैं, फिर भी हम एक-दूसरे का साथ देते रहेंगे।

सोशल मीडिया पर जय भानुशाली और माही विज की तरफ से शेयर किए गए पोस्ट में लिखा है, 'आज हम जीवन के इस सफर में अलग होने का फैसला कर रहे हैं। फिर भी, हम हमेशा एक-दूसरे का साथ देते रहेंगे। शांति, विकास, दयालु होना और मानवता हमेशा से हमारे मार्गदर्शक रहेंगे। अपने बच्चों तारा, खुशी और राजवीर के लिए हमेशा सबसे अच्छे पेरेंट्स, बेस्ट फ्रेंड बनने और उनके लिए जो भी सही होगा वो करेंगे।'

आगे पोस्ट में लिखा है- 'हालांकि हम अलग-अलग रास्ते पर चल रहे हैं, लेकिन इस कहानी में कोई विलेन नहीं है और इस फैसले से कोई नेगेटिविटी जुड़ी नहीं है। कोई भी नतीजा निकालने से पहले, कृपया जान लें कि हम ड्रामा से ज्यादा शांति और सबसे ऊपर समझदारी को चुनते हैं। हम हमेशा की तरह एक-दूसरे का सम्मान करते रहेंगे, एक-दूसरे को सपोर्ट करते रहेंगे और दोस्त बने रहेंगे। आपसी सम्मान के साथ, हम आगे बढ़ते हुए आपसे भी सम्मान, प्रेम और दया की कामना करते हैं। - माही विज और जय भानुशाली'।

आपको बता दें कि, माही विज और जय भानुशाली ने साल 2011 में एक दूसरे से शादी कर ली थी। शादी के बाद साल 2019 में कपल ने बेटी खुशी और बेटे राजवीर को गोद लिया। साल 2021 में माही ने बेटी तारा को जन्म दिया था। शादी के करीब 14 साल बाद ये जोड़ी अलग हो गई है।

मंत्र भारत
प्रयागराज - सोमवार, 5 जनवरी, 2026
देश/विदेश 8

वीबी-जी रैम जी के खिलाफ आक्रामक हुई कांग्रेस मोदी सरकार को घेरने के लिए बनाया बड़ा प्लान

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम बदल दिया है और कांग्रेस इसका जमकर विरोध कर रही है। अब कांग्रेस ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान का ऐलान किया है। मनरेगा का नया नाम वीबी-जी रैम जी एक्ट हो गया है। कांग्रेस अब शांतिपूर्ण धरने, विधानसभा का घेराव, पंचायत-स्तर पर लोगों तक पहुंच बनाएगी। कांग्रेस ने वीबी-जी रैम जी एक्ट के खिलाफ 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के लिए अपनी साल भर की योजना बताई। इसका पहला चरण 10 जनवरी से 25 फरवरी तक चलेगा।

कांग्रेस ने राज्य इकाइयों से भागीदारी, लामबंदी, मीडिया तक पहुंच सुनिश्चित करने और पार्टी हाईकमान को विस्तृत रिपोर्ट सौंपने को कहा गया है।कांग्रेस ने कहा कि वह अब वापस लिए गए तीन कृषि कानूनों के खिलाफ दिल्ली केंद्रित बड़े आंदोलन की तरह ही आंदोलन करने की कोशिश कर रही है। पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि पिछले सीडब्ल्यूसी की बैठक में सदस्यों ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' पर चर्चा की और इसकी रूपरेखा तैयार की।

एआईसीसी महासचिव (संगठन) के.सी. वेणुगोपाल ने बताया कि वीबी-जी रैम जी एक्ट के तहत, रोजगार अब अधिकार नहीं रहा और यह केवल केंद्र द्वारा अधिसूचित पंचायतों में ही प्रदान किया जाएगा। वेणुगोपाल ने कहा, 'मनरेगा (संप्रग शासन के दौरान लागू) सबसे विकेन्द्रीकृत योजना थी, लेकिन अब सब कुछ दिल्ली से तय होगा और गांवों को नुकसान होगा।' उन्होंने नए कानून के तहत कार्य दिवस बढ़ने के केंद्र के दावे को फर्जी और झूठा बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा, 'मनरेगा कोई दान नहीं है। यह एक कानूनी गारंटी है। करोड़ों सबसे गरीब लोगों को अपने ही गांवों में काम मिला। मनरेगा ने भूख और संकट के कारण होने वाले पलायन को कम किया, ग्रामीण मजदूरी बढ़ाई, और महिलाओं की आर्थिक गरिमा को मजबूत किया। वीबी-जी रैम जी इस अधिकार को खत्म करने के लिए बनाया गया है। बजट सीमित कर दिए जाएंगे, इसलिए जब पैसा खत्म हो जाएगा तो काम भी खत्म हो जाएगा, यहां तक कि संकट के समय भी और दिल्ली फंड और कामों के बारे में फैसला करेगी, जिससे ग्राम सभाएं और पंचायतें अप्रासंगिक हो जाएंगी।'

खड़गे ने अपने पोस्ट में आगे कहा, 'मनरेगा पर हमला करना करोड़ों मजदूरों और उनके संवैधानिक अधिकारों पर हमला करने जैसा है। हम हर पंचायत से लेकर संसद तक शांतिपूर्ण और दृढ़ता से इसका विरोध करेंगे।'

वेणुगोपाल ने कहा कि 12 से 29 जनवरी तक पंचायत स्तर पर लोगों से संपर्क किया जाएगा, जिसके दौरान कांग्रेस अध्यक्ष और विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) के पत्र ग्राम प्रधानों, पूर्व ग्राम प्रधानों, रोजगार सेवकों और मनरेगा कार्यकर्ताओं को दिए जाएंगे। उन्होंने आगे कहा कि साथ ही, विधानसभा स्तर पर नुक्कड़ सभाएं और पैम्फलेट बांटे जाएंगे।

मनरेगा से बेहतर योजना है विकसित भारत-जी राम जी, कांग्रेस गलत सूचना फैला रही : शिवराज

नई दिल्ली **(एजेंसी)**। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) के तहत बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किए जाने का आरोप लगाते हुए रविवार को कहा कि विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका गारंटी मिशन (विकसित भारत-जी राम-जी) योजना को लेकर कांग्रेस गलत सूचना फैला रही है। चौहान ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए विकसित भारत-जी राम-जी योजना के खिलाफ कांग्रेस के आगामी अभियान की आलोचना की और सवाल किया कि इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मौजूद क्यों नहीं थे।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस ने 'मनरेगा बचाओ संग्राम' की घोषणा की है। यह वास्तव में भ्रष्टाचार बचाओ अभियान है।' उन्होंने कहा, ''मनरेगा भ्रष्टाचार का पर्याय बन गया था। ग्राम सभाओं द्वारा किए गए सामाजिक ऑडिट में 10, 51, 000 से अधिक शिकायतें मिलीं। एक ही काम दोहराया गया, काम मशीन से कराया गया, नहरों एवं सड़कों की सफाई के नाम पर धन की हेरा-फेरी की गई। तीस प्रतिशत

मजदूर 60 वर्ष से ऊपर थे।'' उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के तहत 8, 48, 000 करोड़ रुपये से अधिक दिए गए जबकि संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) की पूर्ववर्ती सरकार के दौरान दो लाख करोड़ रुपये से अधिक दिए गए। क्या स्थायी संपत्तियां बनाई गईं? क्या इस धन का इस्तेमाल विकास के लिए हो सका?''

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस झूठ की फैक्टरी है। अब वे कह रहे हैं कि मजदूरों को काम नहीं मिलेगा।'' उन्होंने दावा किया कि विकसित भारत-जी राम-जी के तहत मजदूरों के हित बेहतर ढंग से सुरक्षित रहेंगे। चौहान ने कहा कि अगले वित्त वर्ष में इस योजना के लिए 1, 51, 282 करोड़ रुपये आवंटित किए जाएंगे जिनमें से 95, 600 करोड़ रुपये से अधिक केंद्र का हिस्सा होगा। उन्होंने कहा, ''125 दिन के लिए पर्याप्त धन है। इससे गांवों का विकास भी सुनिश्चित होगा।'' उन्होंने दावा किया कि विकसित भारत-जी राम-जी, मनरेगा से बेहतर योजना है।

उन्होंने कहा, ''कांग्रेस से मेरी अपील है कि वह गलत सूचना और झूठ न फैलाए। इसके बजाय, इस योजना को बेहतर बनाने के लिए उसे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देना चाहिए।'' कांग्रेस ने कहा था कि वह अगले सप्ताह से करीब 45 दिवसीय 'मनरेगा बचाओ संग्राम' की शुरुआत करेगी और 'विकसित भारत-जी राम जी अधिनियम' को न्यायालय में चुनौती भी देगी। संसद ने विपक्ष के हंगामे के बीच पिछले साल 18 दिसंबर को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' को मंजूरी थी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हस्ताक्षर के बाद अब यह अधिनियम बन चुका है। यह 20 साल पुराने मनरेगा की जगह लेगा।

हरियाणा में भाजपा सरकार ने अपनी नीतियों के केंद्र में युवाओं को रखा है : मुख्यमंत्री सैनी

चण्डीगढ़ **(एजेंसी)**। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि उनकी सरकार ने युवाओं को लगातार अपनी नीतियों के केंद्र में रखा है और उनके इर्द-गिर्द केंद्रित कई योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने पंचकुला में 29वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लेने वाले राज्य प्रतिनिधिमंडल के साथ आयोजित प्रेरणादायी संवाद कार्यक्रम में दावा किया कि बीते एक दशक में केंद्र और राज्य सरकारों ने वे काम पूरे कर दिखाए हैं, जो पिछली सरकारें कई दशकों में भी नहीं कर सकीं।

इससे पहले, मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय युवा महोत्सव के 64 युवा प्रतिभागियों से बातचीत की। यह प्रतिनिधिमंडल नौ से 12 जनवरी तक नयी दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा महोत्सव-2026 में हरियाणा का प्रतिनिधित्व करेगा और समूह नृत्य, वाद-विवाद, चित्रकला, युवा नेताओं के संवाद, सामाजिक कार्यों के लिए हैकिंग और विकसित भारत के लिए डिजाइन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेगा।

सैनी ने कहा कि राष्ट्रीय युवा दिवस स्वामी विवेकानंद की जयंती पर मनाया जाता है, जो न केवल उम्र में बल्कि अपने विचारों और कार्यों में भी युवा थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के युवा हमेशा से ही मेहनती, अनुशासित और देशभक्त रहे हैं, यही कारण है कि वे आज सशस्त्र बलों, खेल, शिक्षा, कृषि और उद्यमिता सहित हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात पर जोर दिया है कि युवा सशक्तीकरण एक मजबूत भारत के निर्माण की कुंजी है, और यदि देश को वैश्विक नेता के रूप में उभरना है तो देश के युवाओं को एक महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

तृणमूल सरकार की उन्नयनेर पांचाली के मुकाबले में भाजपा का चोरदेर पांचाली अभियान : शुभेंदु

कोलकाता **(एजेंसी)**। पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि भाजपा तृणमूल कांग्रेस सरकार के कथित गलत कामों से लोगों को अवगत कराने के लिए पूर्व मेदिनीपुर ज़िले में 'चोरदेर पंचाली' नामक झांकियां निकालेगी। अधिकारी ने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू किया गया उन्नयनेर पांचाली (विकास की गाथा) अभियान, नरेन्द्र मोदी नीत सरकार और राज्य में विपक्षी दलों के बारे में झूठ फैला रहा है।

उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र में एक रैली के दौरान पत्रकारों से कहा, ''भले ही लोग अब तृणमूल कांग्रेस के धोखे को समझ चुके हैं, फिर भी भाजपा को इस अभियान का मुकाबला करना होगा और लोगों को सच्चाई दिखानी होगी। कल से हम नंदीग्राम समेत पूर्व मेदिनीपुर में चोरदेर पांचाली (चोरी की कहानियां) की झांकियां निकालेंगे। रैली को संबोधित करते हुए अधिकारी ने आरोप लगाया कि नंदीग्राम के हिंदू सत्ताधारी पार्टी द्वारा संरक्षित जिहादी तत्वों के भय में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, जब हिंदू एकजुट नहीं होते तो क्या होता है, यह सीमा पार बांग्लादेश में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है।

एक समय बांग्लादेश की जनसंख्या में हिंदुओं की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत थी, लेकिन अब यह घटकर 7 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अगर नंदीग्राम के हिंदू एकजुट नहीं होते हैं, तो अत्याचार और बढ़ेंगे।

तृणमूल के प्रदेश महासचिव कुणाल घोष ने कहा कि अधिकारी सत्ता में आने के लिए ध्रुवीकरण का खतरनाक दांव खेल रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया, बंगाल के लोग भाजपा की चाल में नहीं फंसेंगे, जो बांग्लादेश में हिंसा की घटनाओं का हवाला देकर यहां सांप्रदायिक कलह के बीज बो रही है।

बिहार के गोपालगंज पहुंचा दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग, दर्शन के लिए उमड़े हजारों भक्त

पटना **(एजेंसी)**। तमिलनाडु के महाबलीपुरम से शुरू हुई एक ऐतिहासिक यात्रा अब अपने अंतिम पड़ाव के करीब है। दुनिया का सबसे विशाल शिवलिंग बिहार के गोपालगंज पहुंच चुका है, जहाँ इसके दर्शन के लिए भक्तों का हुजूम उमड़ पड़ा है। 210 मीट्रिक टन वजनी और 33 फीट ऊंचे इस शिवलिंग को पूर्वी चंपारण के केसरिया स्थित 'विराट रामायण मंदिर' में स्थापित किया जाएगा।

इस अद्भुत शिवलिंग की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसे तमिलनाडु के महाबलीपुरम में एक ही विशाल 'ब्लैक ग्रेनाइट' पत्थर (मोनोलिथ) को काटकर बनाया गया है। इसे तराशने में कलाकारों को करीब 10 साल का समय लगा।

शिवलिंग की सतह पर 1008 छोटे सहस्त्रलिंगम भी उकेरे गए हैं, जो इसकी दिव्यता को और बढ़ाते हैं। इस भारी-भरकम शिवलिंग को 96 पहियों वाले एक विशेष ट्रक के जरिए सड़क मार्ग से बिहार लाया गया है।

गोपालगंज पहुंचते ही स्थानीय लोगों ने जयकारों के साथ शिवलिंग का स्वागत किया। स्थानीय निवासी सत्यम गोस्वामी ने खुशी जताते हुए कहा, 'हम खुशकिस्मत हैं कि दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग हमारे यहां आया है। सुबह से ही भक्त पूजा-अर्चना के लिए जुट रहे हैं।' वहीं कुंदन देवी नाम की श्रद्धालु ने बताया कि पूरे गांव में उत्सव जैसा माहौल है और लोग दूर-दूर से इस विशाल शिवलिंग की एक झलक पाने आ रहे हैं। महावीर मंदिर न्यास समिति द्वारा बनवाए जा रहे इस भव्य मंदिर का निर्माण कार्य जोरों पर है। मंदिर 1080 फीट लंबा और 540 फीट चौड़ा होगा। इसमें कुल 18 शिखर होंगे, जिनमें मुख्य शिखर की ऊंचाई 270 फीट होगी। 17 जनवरी को केसरिया के विराट रामायण मंदिर में विधि-विधान के साथ शिवलिंग की स्थापना की जाएगी। यह मंदिर न केवल धार्मिक रूप से बल्कि पर्यटन के लिहाज से भी बिहार के लिए एक बड़ा केंद्र बनने जा रहा है।

चीन यात्रा से पहले द.कोरिया को झटका

उ.कोरिया ने समुद्र में दागी बैलिस्टिक मिसाइल, सियोल-वॉशिंगटन व टोक्यो अलर्ट

सियोल **(एजेंसी)**। उत्तर कोरिया ने रविवार सुबह समुद्र की दिशा में कई बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिससे कोरियाई प्रायद्वीप में एक बार फिर तनाव बढ़ गया है। दक्षिण कोरिया की सेना ने बताया कि सुबह करीब 7:50 बजे उत्तर कोरिया की राजधानी प्योंगयांग के इलाके से इन मिसाइल प्रक्षेपणों का पता चला। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार, मिसाइलें उत्तर कोरिया के पूर्वी तट की ओर दागी गईं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि मिसाइलें कितनी दूरी तक गईं। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की सूचना नहीं है।

दक्षिण कोरियाई सेना ने कहा कि निगरानी और सतर्कता व्यवस्था को और मजबूत कर दिया गया है तथा अमेरिका और जापान के साथ लगातार सूचनाओं का आदान-प्रदान किया जा रहा है। जापान के रक्षा मंत्रालय ने भी संदिग्ध मिसाइल प्रक्षेपण की पुष्टि की है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह प्रक्षेपण उत्तर कोरिया में सत्तारूढ़ वर्कर्स पार्टी की आगामी कांग्रेस से पहले हथियारों की ताकत दिखाने की रणनीति का हिस्सा है। माना जा रहा है कि पार्टी की सर्वोच्च बैठक से पहले उत्तर कोरिया रक्षा क्षेत्र में अपनी उपलब्धियां प्रदर्शित करने के लिए ऐसे परीक्षणों में तेजी ला सकता है।

पर्यवेक्षक इस बात पर भी नजर रखे हुए हैं कि क्या उत्तर कोरिया अमेरिका के प्रति कोई नई नीति घोषित करेगा और लंबे समय से ठप पड़ी कूटनीतिक वार्ताओं को फिर से शुरू करने को लेकर कोई संकेत देगा। यह मिसाइल प्रक्षेपण ऐसे समय हुआ है जब दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ शिखर वार्ता के लिए चीन रवाना होने वाले थे। उल्लेखनीय है कि इसी सप्ताह उत्तर कोरिया ने समुद्र में लंबी दूरी की रणनीतिक क्रूज मिसाइल दागने का भी दावा किया था।

मादुरो की गिरफ्तारी पर भड़का चीन

बोला- अमेरिका ने राष्ट्रपति को गैरकानूनी अगवा किया, तुरंत रिहा करो

बीजिंग **(एजेंसी)**। वेनेजुएला के तानाशाह राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस की अमेरिकी हिरासत पर चीन ने कड़ा रुख अपनाते हुए अमेरिका से दोनों को तुरंत रिहा करने की मांग की है। चीन ने इस कार्रवाई को राष्ट्रपति का 'अपहरण' करार देते हुए कहा कि किसी संप्रभु देश के नेता को जबरन अपने देश ले जाना अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। चीनी विदेश मंत्रालय ने रविवार को जारी बयान में कहा कि वेनेजुएला संकट का समाधान सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि संवाद और कूटनीतिक बातचीत से होना चाहिए। चीन ने स्पष्ट किया कि वह अमेरिका की इस कार्रवाई की कड़ी निंदा करता है और इसे खतरनाक मिसाल मानता है।

इस बीच, अमेरिका के भीतर भी विरोध तेज हो गया है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने मादुरो की गिरफ्तारी को 'एक्ट ऑफ वॉर' बताते हुए कहा कि यह कदम न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय कानून, बल्कि अमेरिकी कानून का भी उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी कि इस तरह की कार्रवाई दुनिया को और अस्थिर बना सकती है।गौरतलब है कि 2 जनवरी की रात अमेरिकी विशेष बलों ने वेनेजुएला की राजधानी काराकस में सैन्य हमला कर राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को हिरासत में

लिया और बाद में उन्हें न्यूयॉर्क लाया गया।

फिलहाल दोनों को डिटेंशन सेंटर में रखा गया है, जहां उन पर हथियारों और ड्रग्स से जुड़े मामलों में मुकदमा चलाने की तैयारी है।मादुरो की हिरासत के बाद सामने आई तस्वीरों ने भी विवाद को और गहरा कर दिया है। कुछ तस्वीरों में वे न्यूयॉर्क के स्टुअर्ट एयर नेशनल गार्ड बेस पर नजर आए, जबकि एक तस्वीर में आंखों पर काली पट्टी, हथकड़ी और हेडफोन लगाए हुए दिखे, जिसे खुद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर साझा किया।अमेरिका की इस कार्रवाई के खिलाफ देशभर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं।

मादुरो को गिरफ्तार करने बाद ट्रंप की धमकी 'सारी दुनिया के नेता सुन लें अमेरिका से पंगे का भुगतोगे बुरा अंजाम

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी सेना द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार किए जाने के कुछ ही घंटों बाद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के नेताओं को कड़ा संदेश दिया है। ट्रंप ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि अमेरिका अपने राष्ट्रीय हितों और कानून को चुनौती देने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शेगा नहीं। ट्रंप ने धमकी द कहा कि सारी दुनिया के नेता सुन लें कि अमेरिका से किसी भी तरह की ज्यादती करने वालों का बुरा अंजाम होगा ।

शनिवार तड़के मादुरो की गिरफ्तारी और अमेरिका में अभियोग तय होने के बाद ट्रंप ने कहा कि यह कार्रवाई सिर्फ वेनेजुएला तक सीमित संदेश नहीं है, बल्कि उन सभी देशों और नेताओं के लिए चेतावनी है जो अमेरिका के खिलाफ गतिविधियों में शामिल हैं। ट्रंप ने कहा, 'कानून से ऊपर कोई नहीं है। अगर कोई नेता अपराध करता है, मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल होता है या अमेरिका के हितों को नुकसान पहुंचाता है, तो उसे परिणाम भुगतने होंगे चाहे वह कहीं भी हो।'

अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, मादुरो पर मादक पदार्थ तस्करी और आतंकवाद से जुड़े गंभीर आरोप हैं और लंबे समय से उन्हें अमेरिकी अदालतों द्वारा वांछित किया जा रहा था। ट्रंप प्रशासन ने इसे 'कानून प्रवर्तन कार्रवाई' बताते हुए कहा कि यह किसी देश के खिलाफ युद्ध नहीं, बल्कि अपराध के खिलाफ कार्रवाई है।हालांकि, इस कदम के बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई देशों ने इसे संप्रभुता का उल्लंघन बताया है, जबकि अमेरिका समर्थक वेनेजुएला विपक्ष ने इसे ऐतिहासिक कदम करार दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप की यह चेतावनी वैश्विक राजनीति में अमेरिका की आक्रामक और स्पष्ट रणनीति को दर्शाती है, जिसका असर आने वाले दिनों में अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर पड़ सकता है।

अमेरिकी स्ट्राइक में वेनेजुएला सुरक्षा को झटका रूसी एयर डिफेंस सिस्टम पूरी तरह तबाह

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिकी हमलों में वेनेजुएला को वायु रक्षा के मोर्चे पर बड़ा झटका लगा है। हिगुएरोटे एयर बेस (काराकस से लगभग 75 किलोमीटर पूर्व, मिरांडा राज्य) पर तैनात रूसी निर्मित 9के 317एम2 बुक-एम2ई मध्यम दूरी की एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली पूरी तरह नष्ट हो गई। यह वेनेजुएला द्वारा खोया गया दूसरा बुक-एम2ई सिस्टम बताया जा रहा है। वीडियो फुटेज से स्पष्ट है कि बुक-एम2ई का लॉन्चर वाहन सीधे निशाने पर था। मिसाइलें लॉन्चर पर लोडेड थीं, लेकिन इसके बावजूद कोई जवाबी फायर नहीं हुआ। हमले में एक सैन्य विमान और एयर बेस का बुनियादी ढांचा भी क्षतिग्रस्त हुआ है। विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी हमलों की पहली ही लहर में वेनेजुएला के रडार और कमांड-कंट्रोल सिस्टम को दबा दिया गया था, जिससे एयर डिफेंस पूरी तरह निष्क्रिय हो गया। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि यह घटना दर्शाती है कि अमेरिकी अभियान में वेनेजुएला की एयर डिफेंस पहले से ही कमजोर थी। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के दावों के बीच अब देश की सुरक्षा क्षमता और अधिक प्रभावित हुई है। इस हमले को रूस के लिए भी बड़ा झटका माना जा रहा है, क्योंकि उसके उन्नत माने जाने वाले हथियार वास्तविक युद्ध स्थिति में असफल साबित होते दिखे हैं।

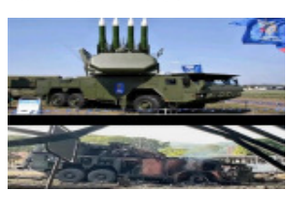

कोविड फंड के नाम पर सैकड़ों मिलियन डॉलर का फ्राड

बच्चों के भोजन का पैसा लग्ज़री लाइफस्टाइल पर उड़ाया

वाशिंगटन **(एजेंसी)**। अमेरिका में सामने आए हमारे भविष्य को खिलाना कोविड-19 राहत घोटाले ने एक बार फिर सरकारी सहायता योजनाओं में बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी की पोल खोल दी है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, सोमाली मूल के कुछ आरोपियों ने बच्चों के लिए भोजन कार्यक्रम चलाने का झूठा दावा कर सैकड़ों मिलियन डॉलर की संघीय कोविड राहत राशि हड़प ली।

जांच में सामने आया कि घोटाले से मिली रकम का इस्तेमाल गरीब बच्चों की मदद के बजाय लक्ज़री जीवनशैली पर किया गया । लिबान यासिन अलीशिरे ने केन्या के एक हाई-एंड रिसॉर्ट में लगभग 3.5 लाख डॉलर खर्च किए। अबदियाज़िज़ शफीई फराह ने नैरोबी में जिम और पार्किंग सुविधाओं वाला 10 लाख डॉलर का तीन मंज़िला लग्ज़री अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स खड़ा किया। एमी बॉक और उनके साथी एम्ब्रेस मैल्कम वॉटसन जूनियर ने लैंबोर्गिनी और रोल्स-रॉयस जैसी सुपरकारें 2, 000 डॉलर प्रतिदिन के किराये पर लीं, लास वेगास यात्राएं कीं और 6.8 लाख डॉलर के गहने खरीदे। अयान जमा ने तुर्की में 3.65 लाख डॉलर का मेडिटेरेनियन कॉन्डो खरीदा। अमेरिकी न्याय विभाग के अनुसार, इस घोटाले में दोषी पाए गए लोगों को 28 साल तक की सज़ा और भारी भरकम रेस्टिट्यूशन (वसूली) का सामना करना पड़ सकता है। यह मामला मिनेसोटा में सामने आए करीब 9 अरब डॉलर के सोशल सर्विसेज़ घोटालों की कड़ी में सबसे बड़े मामलों में गिना जा रहा है।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044
Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08
Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : R.N.I. UPHIN/2012/52437 स्वात्वाधिकारी राकेश शर्मा के लिए राकेश शर्मा द्वारा श्री बालाजी प्रिंटर्स टिकरी, कमला नगर, प्रयागराज से मुद्रित एवं 80-ए मेहदौरी, तेलियरगंज, प्रयागराज-211004 से प्रकाशित एवं सम्पादित।
● सम्पादक विनीता शर्मा ● मोबाइल : 9415975437, 7007837917, 9415223357 ● E-Mail : editormantrabharat@gmail.com ● वैधानिक सूचनाः- मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र प्रयागराज न्यायालय होगा।